Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

ज्ञान की बातें
जो परोपकार में प्रवृत्त रहता है,उसी का जीवन सफल माना जाता है।
-बह्मपुराण-

अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक - 254 सोमवार ,18 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

कांग्रेस की सीनियर लीडर मार्गरिट अल्वा होंगी विपक्ष की उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

जगदीप धनखड़ से मुकाबला

नई दिल्ली, 17 जुलाई 2022। उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष की ओर से मार्गरिट अल्वा को उम्मीदवार बनाया गया है। एनसीपी चीफ शरद पवार की ओर से रविवार उनके नाम का ऐलान किया गया। एक दिन पहले ही एनडीए की ओर से बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया गया है। शरद पवार के उनके नाम का ऐलान करते हुए कहा कि 17 विपक्षी दलों की मंजूरी उनके नाम को लेकर थी। मंगलवार वो अपना नामांकन दाखिल करेंगी।

मार्गरिट अल्वा के नाम की घोषणा करते हुए एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि हमने पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी से बात करने की कोशिश की लेकिन वे व्यस्त थीं। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल से भी संपर्क करने की कोशिश की। उन्होंने कुछ दिन पहले यशवंत सिन्हा के लिए समर्थन की घोषणा की और जल्द ही मार्गरिट

अल्वा के लिए अपने समर्थन की घोषणा करेंगे।

मार्गरिट अल्वा 1974 में पहली बार राज्यसभा के लिए चुनी गईं। इसके बाद वो लगातार राज्यसभा सदस्य रहीं और साल 1999 में लोकसभा के लिए चुनी गईं। वो केंद्र में मंत्री भी रहीं साथ ही अल्वा राजस्थान, गोवा की राज्यपाल भी रह चुकी हैं। कर्नाटक की रहने वाली मार्गरिट अल्वा पांच बार सांसद रहने के अलावा राजीव गांधी कैबिनेट और नरसिम्हा राव की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुकी हैं।

मार्गरिट अल्वा का जन्म 14 अप्रैल 1942 को कर्नाटक के मंगलौर में हुआ था। उन्होंने 1969 में राजनीति में कदम रखा और कांग्रेस से जुड़ीं। वह कांग्रेस संगठन के भीतर कई पदों पर रहीं। 2008 में अल्वा ने कांग्रेस हाईकमान पर टिकट बेचने का भी आरोप लगाया था। उस वक्त वह महाराष्ट्र, मिजोरम और पंजाब-हरियाणा की प्रभारी थी। उनको कांग्रेस महासचिव के पद से हटा दिया गया था। हालांकि दोबारा जब उनके रिश्ते ठीक हुए तो उन्हें उत्तराखंड का राज्यपाल बनाकर भेजा गया।

वर्तमान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 6 अगस्त को वोटिंग

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इच्छुक उम्मीदवार 19 जुलाई तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं. नामांकन पत्रों की जांच 20 जुलाई को होगी. उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र 22 जुलाई तक वापस ले सकेंगे. देश का अगला उपराष्ट्रपति चुनने के लिए 6 अगस्त को वोटिंग होगी.

उपराष्ट्रपति चुनने के लिए 6 अगस्त को दिन में 10 बजे से शाम 5 बजे तक वोट डाले जाएंगे. मतदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसी दिन वोटों की गिनती भी हो जाएगी और चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे. अगर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल, दोनों ही खेमे उपराष्ट्रपति पद के लिए किसी एक उम्मीदवार के नाम पर सहमत हो जाते हैं और आम सहमति बन जाती है तो मतदान की जरूरत नहीं पड़ेगी. ऐसे में उपराष्ट्रपति का आम सहमति से निर्विरोध निर्वाचन भी हो सकता है. हालांकि, इसके आसार कम ही नजर आ रहे हैं. गौरतलब है कि देश के वर्तमान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को खत्म हो रहा है. वेंकैया नायडू का कार्यकाल पूरा होने से चार दिन पहले ही ये साफ हो जाएगा कि देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा।

निजी कंपनी भी बनाएगी सेना के लिए हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली, 17 जुलाई 2022। देश को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने सेना के लिए निजी कंपनियों से हेलीकॉप्टर बनवाने का फैसला किया है। रक्षा मंत्रालय की और से मंजूरी मिलने के बाद निजी कंपनी सेना के लिए हेलीकॉप्टर बनाएगी। रक्षा मंत्रालय ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया के मैनुअल में बदलाव करने का फैसला किया है। इससे प्राइवेट सेक्टर को इंडियन डिफेंस पीएसयूएस से बहुसंख्यक हिस्सेदारी के साथ सहयोग का मौका मिलेगा। साथ ही आवश्यक हथियार प्रणाली का निर्माण करने की भी इजाजत मिलेगी। इससे मिलिट्री हार्डवेयर सेक्टर में 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा मिलेगा।

साउथ ब्लॉक के अधिकारियों के अनुसार, इस सहयोग का परीक्षण भारतीय मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर के विकास और निर्माण में किया जाएगा, जो कि भारतीय सेना में शामिल सभी रूस निर्मित एमआई -17 और

एमआई -8 हेलीकॉप्टरों की जगह लेगा। आईएमआरएच का वजन 13 टन होगा। यह भारतीय सशस्त्र बलों के साथ हवाई हमले, पनडुब्बी रोधी, जहाज-रोधी, सैन्य परिवहन और वीवीआईपी की भूमिका में होगा।

25% प्रोडक्टर निर्यात करने की भी होगी इजाजत

अधिकारियों के अनुसार, निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी अपने उत्पादन का 25 प्रतिशत तीसरे देशों को निर्यात करने और देश के लिए विदेशी मुद्रा जुटाने की इजाजत होगी। भारतीय सशस्त्र बलों को विकसित आईएमआरएच खरीदने के लिए कहा गया है जिसे अगले सात वर्षों में लागू करने की योजना है।

प्राइवेट कंपनियों में इसे लेकर उत्साह

भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियों ने परियोजना में भाग लेने के लिए पहले ही अपनी उत्सुकता दिखाई है और रक्षा मंत्रालय ने उन्हें अगले सात वर्षों में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने के लिए कहा है। फ्रांसीसी सफान ने 8 जुलाई, 2022 को ही भारतीय एचएएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिया, ताकि नौसेना वैरिएंट समेत आईएमआरएच इंजन के विकास, उत्पादन और समर्थन के लिए नई ज्वाइंट वेंचर कंपनी बनाई जा सके।

निजी क्षेत्र की कंपनियों ने रक्षा मंत्रालय से यह आश्वासन भी मांगा है कि भारतीय सशस्त्र बलों को हेलीकॉप्टर खरीदना चाहिए, अगर प्रोडक्ट का निर्माण अगले पांच वर्षों में हो जाता है।

राष्ट्रपति चुनाव में यूपी के 5 विधायक राज्य के बाहर मतदान करेंगे

लखनऊ , 17 जुलाई 2022। देश के नए राष्ट्रपति के लिए सोमवार को होने वाले मतदान के दौरान उत्तर प्रदेश के पांच विधायक राज्य के बाहर मतदान करेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारी और विशेष सचिव बृजभूषण दुबे ने कहा, ÷पांच विधायकों ने राज्य से बाहर अपना वोट डालने का विकल्प चुना था। जबकि चार ने नई दिल्ली में अपना वोट डालने का फैसला किया था, वहीं एक अन्य विधायक अपना वोट केरल में डालेंगे।÷

उन्होंने कहा कि सोमवार को हुए मतदान की सूचना राज्य के सभी 403 विधायकों को भेज दी गई है।

उन्होंने कहा, ÷हमने विधान भवन के तिलक हॉल में सभी इंतजाम कर लिए हैं। वहां मतदान के लिए मतदान केंद्र बनाया गया है।÷

चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक राजीव सिंह ठाकुर ने चुनाव व्यवस्था का निरीक्षण किया है।

ठाकुर राजस्थान कैडर के आईएएस अधिकारी हैं और केंद्र सरकार में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

सर्वदलीय बैठक में मोदी की अनुपस्थिति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 17 जुलाई 2022। संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार द्वारा मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और आम सहमति बनाने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में भाजपा के नेता पीयूष गोयल शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी कर रहे हैं।

मोदी की बैठक से अनुपस्थिति पर उठे सवाल

हालांकि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक से अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। संसद के आगामी सत्र पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक अभी शुरू हुई है और प्रधान मंत्री हमेशा की तरह अनुपस्थित हैं। क्या यह 'असंसदीय' नहीं है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया।

विपक्ष की ओर से कई वरिष्ठ नेता हुए शामिल

बैठक में विपक्ष की तरफ से कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, जयराम रमेश, द्रमुक के टीआर बालू और तिरुचि शिवा, टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय और एनसीपी के शरद पवार सहित लगभग सभी दलों के नेता मौजूद थे। इसके अलावा बैठक में बीजद के पिनाकी मिश्रा, वाईएसआरसीपी के विजयसाई रेड्डी और मिधुन रेड्डी, टीआरएस के केशव राव और नामा नागेश्वर राव, राजद के एडी सिंह और शिवसेना के संजय राउत भी मौजूद थे।

शर्मनाकःपिता ने 13 साल की बेटी से किया दुष्कर्म,मां ने दर्ज कराया केस

फतेहपुर, 17 जुलाई 2022। रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है. शराबी पिता ने अपनी ही सगी 13 वर्षीय बेटी को अकेला पाकर दुष्कर्म किया. पीड़िता की मां ने थाने में केस दर्ज कराया है. मां का कहना है कि वह धान लगाने खेत गई थी. तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है.

पूरा मामला उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले का है. पीड़िता की मां ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि खागा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है. 15 जुलाई शुक्रवार की दोपहर वह धान लगाने खेत गई थी. उसका पति शराबी है 13 वर्षीय बेटी को घर में अकेला पाकर दुष्कर्म किया. जब वह खेतों से लौटी बेटी बदहवास मिली थी. आरोपी पिता मौके से फरार हो गया. पीडिता को लेकर मां थाने पहुंची और घटना की तहरीर दी. आरोपी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया.

बोटिंग करने के दौरान डैम में पलटी नाव, एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

झारखंड , 17 जुलाई 2022। झारखंड के कोडरमा जिले से एक दुखद खबर सामने आई है. यहां बोटिंग करने के दौरान नाव पलटने से एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई है. पंचखेरो डैम की घटना बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि यहां सुबह एक परिवार के करीब 9 लोग सैर सपाटे के लिए घूमने आये हुए थे। जहां उन्होंने नाव में बैठने की योजना बनाई. लेकिन जैसे ही वे बीच डैम पहुंचे नाव अचानक से पलट गयी और उस नाव मै बैठे 10 लोग पानी में डूब गए. लेकिन एक नाव सवार और नाविक की जान बच गयी. बाकियों की तलाश जारी है.

डूबने वालों में पांच बच्चे, दो महिला और दो पुरुष समेत कुल 9 लोग शामिल हैं, ये सभी गिरिडीह जिले के राजधनवार प्रखंड के खेन्तो गांव के बताए जा रहे हैं.

चुनाव परिणाम के बाद प्रत्याशी की हार्ट अटैक से मौत

।रीवा, 17 जुलाई 2022। हनुमना नगर परिषद से इस वक्त बड़ी खबर आ रही है. यहां हनुमना नगर परिषद में पार्षद पद का चुनाव हारने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी की हार्ट अटैक से मौत हो गई है.

हरिनारायण गुप्ता वार्ड क्रमांक 09 से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव मैदान में थे. निर्दलीय प्रत्याशी अखिलेश गुप्ता ने 14 मतों से उन्हें हरा दिया. हरिनारायण गुप्ता कांग्रेस पार्टी के हनुमना मंडलम के अध्यक्ष भी थे. चुनाव परिणाम के बाद हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई.

बता दें कि नगरीय निकाय चुनाव

में 11 नगर निगमों में से भाजपा ने 7 नगर निगम अपने कब्जे में ले लिया है. वहीं कांग्रेस के खाते में 3 सीट आई है. वहीं एक सीट पर आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज की है.।

बुरहानपुर में भाजपा की जीत

बुरहानपुर से बीजेपी ने महापौर में जीत का खाता खोला है. बीजेपी प्रत्याशी माधुरी अतुल पटेल 538 वोटों से जीत दर्ज की हैं. इसके बाद सतना में बीजेपी प्रत्याशी योगेश ताम्रकार 24816 हजार वोट से जीते हैं. यहां कांग्रेस के विधायक सिद्धार्थ खुशवाहा हार गए हैं।

खंडवा में भी खिला कमल

वहीं खंडवा में बीजेपी प्रत्याशी अमृता यादव ने 19 हजार 763 वोट से जीत दर्ज की है. सिंगरौली नगर निगम में आप (आम आदमी पार्टी) प्रत्याशी रानी अग्रवाल ने बाजी मारी है. 9149 मतों से जीत हासिल की है. अभी बीजेपी 3, कांग्रेस 3 और 1 पर आम आदमी पार्टी आगे चल रही है. इंदौर, उज्जैन में कांग्रेस ने अपने विधायकों को महापौर चुनाव में उतारा है. दोनों पीछे चल रहे हैं।

आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर बोला धावा, सीआरपीएफ का एक जवान शहीद

पुलवामा, 17 जुलाई 2022। रविवार को दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर धावा बोल दिया. हमले में CRPF का एक जवान शहीद हो गया है. घटना के बाद फोर्स अलर्ट मोड में आ गई है. इसी के साथ सर्च अभियान भी तेज कर दिया गया है.

जानकारी के मुताबिक, CRPF के जवान और स्थानीय पुलिस नाके पर चेकिंग कर रहे थे. इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों की टीम पर हमला कर दिया. इस हमले में सीआरपीएफ के एएसआई शहीद हो गए।

यह घटना गोंगू क्रॉसिंग इलाके की बताई जा रही है. आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाल लिया है और आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. एक पुलिस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि आतंकवादियों ने सर्कुलर रोड पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम पर गोलीबारी की, जिससे सीआरपीएफ का एएसआई घायल हो गया.

घायल अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. अधिकारी ने कहा कि हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

10वीं की छात्रा ने पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद को मारी गोली,खून से लथपथ जमीन पर पड़ी मिली लाश

मऊ, 17 जुलाई 2022। मधुबन थाना क्षेत्र के टेनुआ कोटिया गांव में शनिवार रात 10वीं की छात्रा ने पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार खुदकुशी कर ली. गोली की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने घर आकर परिजनों को घर में कुछ तेज आवाज से गिरने की बात कही. जिसके बाद परिजन जब किशोरी के कमरे में पहुंचे तो नजारा देख पैरों तले जमीन खिसक गई. बेटी खून से लथपथ जमीन पर गिरी पड़ी थी. पास ही में बंदूक थी. सिर में गोली लगी थी, और आसपास खून फैला था. सूचना के बाद सीओ और एसओ घटनास्थल पर पहुंचे और जायजा लिया. 10वीं की छात्रा ने ऐसा कदम क्यों उठाया इस संबंध में परिजन कुछ नहीं बता सके. मधुबन थाना क्षेत्र के टेनुआ कोटिया गांव निवासी राजेश पांडेय फतेहपुर मंडाव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थकर्मी के पद पर तैनात हैं. शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे वह अपने घर के पिछले हिस्से में बने बेटी खुशी पांडेय (16) के कमरे में पहुंचे. बेटी से पढ़ाई के संबंध में बातचीत की, हालचाल पूछा और खाना खाने चले गए. घर के अगले

हिस्से में वो अपने पुत्र धीरू के साथ बैठे थे. इस दौरान उन्हें तेज आवाज सुनाई दी. उन्होंने सोचा कि घर में कुछ वजनी सामान गिरने के कारण आवाज आई होगी और भोजन करने लगे. कुछ देर बाद एक दो पड़ोसी पहुंचे और तेज आवाज आने का कारण पूछा. जिसके बाद भोजन कर रहे पिता-पुत्र खुशी के कमरे के पास पहुंचे. दरवाजा बंद था. धक्का देकर दरवाजा तोड़ा गया. अंदर का नजारा देख सन्न रह गए. उनकी लाइसेंसी दोनाली बंदूक नीचे पड़ी थी. पास में बेटी खुशी गोली से लहूलुहान होकर निढ़ाल पड़ी थी. परिजनों में कोहराम मच गया. खुशी ने ऐसा खौफनाक कदम क्यों उठाया इसका कारण किसी को नहीं पता है।

गृह मंत्री के पीए की हार्ट अटैक से मौत, राजधानी के निजी अस्पताल में हुई मौत

भोपाल, 17 जुलाई 2022। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के पीए की हार्ट अटैक से मौत हो गई। हार्ट अटैक के आने के बाद परिजन उन्हें बंसल अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां इलाज के दौरान जितेंद्र द्विवेदी की मौत हो गई। बता दें जीतेंद्र द्विवेदी विधि विभाग मंत्रालय में बतौर विधि मंत्री नरोत्तम मिश्रा के सहायक थे। वहीं सूचना मिलते ही मंत्री नरोत्तम मिश्रा अस्पताल पहुंचे।

भड़की हिंसा! स्कूल में तोड़फोड़ के बाद बसों में लगाई गई आग,छात्रा की मौत का आक्रोश

चेन्नई, 17 जुलाई 2022। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में प्राइवेट स्कूल की बारहवीं कक्षा की छात्रा की मौत को लेकर विरोध प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। विभिन्न छात्र संगठनों और स्थानीय लोगों ने स्कूल परिसर में खड़ी कई बसों में आग लगा दी। साथ ही स्कूल की प्रॉपर्टी के साथ तोड़फोड़ की गई।

एक पुलिस बस में भी आग लगाने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुस्साए लोगों ने पथराव भी किया, जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक एम. पांडियन सहित 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस अधिकारियों की ओर से हवा में दो बार फायरिंग भी की गई।

कुड्डालोर जिले की रहने वाली पीड़िता बुधवार तड़के हॉस्टल के परिसर में मृत पाई गई थी। लड़की के परिवार के सदस्यों

और रिश्तेदारों ने उसका शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने छात्रा की मौत के पीछे साजिश होने का आरोप लगाया है और जांच की मांग की है।

लड़की की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि उसकी मौत कई चोटों के कारण रक्तस्राव और सदमे से हुई है। शरीर पर सभी चोटों के निशान ताजा थे। हालांकि, अभी तक इस पर अंतिम बयान सुरक्षित रखा गया है। रासायनिक विश्लेषण की रिपोर्ट आने का इंतजार है।

परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और स्थानीय लोग घटना की गहराई से जांच की मांग को लेकर कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को बड़ी संख्या में छात्रों और स्थानीय लोगों ने चिन्ना सलेम-कल्लाकुरिची रोड पर यातायात को रोक दिया। इसके बाद ये लोग कनियामूर स्थित प्राइवेट रेसिडेंशियल स्कूल की ओर बढ़ने लगे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो भीड़ ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और उन पर पथराव शुरू कर दिया।

शिंजो आबे की हत्या के बाद बढ़ी वीआईपी सुरक्षा को लेकर भारत सरकार की चिंता

नई दिल्ली, 17 जुलाई 2022। जापान सबसे सुरक्षित देशों में एक माना जाता है। इसके बाद भी जापान के नारा शहर में 8 जुलाई को भाषण शुरू होने के कुछ मिनटों बाद ही जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की बीच सड़क पर बदमाशों ने हत्या कर दी। आंबे की हत्या ने वहां की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की बीच सड़क पर हत्या के बाद भारत सरकार भी अलर्ट हो गई है। इस बीच बड़े नेताओं की सुरक्षा को लेकर टेंशन बढ़ गई है। भारत सरकार ने अब सुरक्षा को लेकर पुख्ता कदम उठाने का फैसला

किया है। केंद्र ने सभी सिक्योरिटी एजेंसियों को पत्र लिखकर सुरक्षा पर खास ध्यान देने को कहा है।

वीवीआईपी सुरक्षा की हर ऐंगल पर चर्चा

एक अधिकारी के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय, सेंट्रल इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने VVIP सुरक्षा में खामियों से लेकर हर ऐंगल पर चर्चा की थी और फैसला किया कि संबंधित सुरक्षा अधिकारियों को एक पत्र भेजा जाएगा और उनका सुरक्षा के और पुख्ते इंतजाम करने को कहा जाएगा। यहां आपको बता दें कि सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स , नेशनल सिक्योरिटी गार्ड और सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के अलावा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस सहित कई सिक्योरिटी टीमें वीवीआईपी लोगों की सुरक्षा करती हैं, जबकि स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुरक्षा में तैनात रहता है।

संपादकीय

किस पर दांव लगाएं सोनिया-राहुल ?

भाजपा के मुकाबले कांग्रेस में दिक्कत है कि पार्टी आलाकमान को किसी पर भरोसा ही नहीं है। कांग्रेस के पास आरएसएस जैसी कोई ताकत नहीं है, जिसके प्रत्यक्ष या परोक्ष दबाव की वजह से भाजपा के नेता बगावत नहीं करते हैं और करते हैं तो कामयाब नहीं हो पाते हैं। तभी भाजपा में पार्टी का आलाकमान किसी को अध्यक्ष बना कर कमान अपने हाथ में रख पाता है। सोनिया और राहुल गांधी के साथ मुश्किल यह है कि उनके पास ऐसे नेता की कमी है, जिसको अध्यक्ष बना दें तो 24 घंटे राजनीति करे, नेताओं से मिले, मीडिया से बात करे और जो निर्देश दिया जाए उस पर अमल कर दे या करा दे।

मुश्किल यह है कि कांग्रेस में जिसे अध्यक्ष बनाया जाता है उसकी महत्वाकांक्षा बढ़ जाती है। सीताराम केसरी भी प्रधानमंत्री बनने की प्लानिंग करने लगे थे। नरसिंह राव ने तो नेहरू-गांधी परिवार को करीब करीब निपटा ही दिया था। तभी कांग्रेस आलाकमान का किसी पर भरोसा नहीं बनता है। अन्यथा कांग्रेस के पास दिग्विजय सिंह हैं, जिनको राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। अशोक गहलोत, मुकुल वासनिक, मल्लिकार्जुन खड़गे, गुलाम नबी आजाद, डीके शिवकुमार, पी चिदंबरम जैसे अनेक नेता हैं, जिनको अध्यक्ष बना कर सोनिया-राहुल अपनी राजनीति कर सकते हैं।

अगर किसी बड़े अखिल भारतीय कद के नेता को अध्यक्ष नहीं बनाना है तब भाजपा के मॉडल पर काम हो सकता है। महाराष्ट्र एक एमएलसी थे नितिन गडकरी, जब उनको अध्यक्ष बनाया गया था। उस समय महाराष्ट्र से बाहर शायद ही कोई उनको जानता था। इसी तरह जेपी नड्डा अध्यक्ष बनने से थोड़े दिन पहले ही हिमाचल प्रदेश की राजनीति से दिल्ली लाए गए थे। जना कृष्णमूर्ति, बंगारू लक्ष्मण आदि के बारे में कुछ कहने की जरूरत नहीं है। सो, कांग्रेस चाहे तो ऐसा ही कोई नेता किसी प्रदेश से ला सकती है और अध्यक्ष बना कर एआईसीसी मुख्यालय में बैठा सकती है।

संसार को भीड़ से बचाने का सूत्र

ग्यारह जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। ऐसे अवसरों पर लोग उत्सव करते हैं लेकिन इस विश्व दिवस पर लोग चिंता में पड़ गए हैं। उन्हें चिंता यह है कि दुनिया की आबादी जिस रफ्तार से बढ़ती रही तो अगले 30 साल में दुनिया की कुल आबादी लगभग 10 अरब हो जाएगी। इतने लोगों के लिए भोजन, कपड़े, निवास और रोजगार की क्या व्यवस्था होगी? क्या यह पृथ्वी इंसान के रहने लायक बचेगी? पृथ्वी का क्षेत्रफल तो बढ़ना नहीं है और अंतरिक्ष के दूसरों ग्रहों में इंसान को जाकर बसना नहीं है। ऐसे में क्या यह पृथ्वी नरक नहीं बन जाएगी? बढ़ता हुआ प्रदूषण क्या मनुष्यों को जिंदा रहने लायक छोड़ेगा? ये ऐसे प्रश्न हैं, जो हर साल जमकर उठाए जा रहे हैं। ये सवाल हमारे दिमाग में काफी निराशा और चिंता पैदा करते हैं लेकिन अगर हम थोड़े ठंडे दिमाग से सोचें तो मुझे लगता है कि मनुष्य जाति इतनी महान है कि वह इन मुसीबतों का भी कोई न कोई हल निकाल लेगी। जैसे अब से लगभग 70 साल पहले दुनिया की आबादी सिर्फ ढाई अरब थी लेकिन अब वह लगभग 8 अरब हो गई है। क्या इस बढ़ी हुई आबादी को कमोबेश सभी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं? नए-नए आविष्कारों, यांत्रिक विकासों और आपसी सहकारों के कारण दुनिया के देशों में जबर्दस्त विकास हुआ है। इन्हीं की वजह से लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और पिछले 40 साल में लोगों की औसत आयु में 20 साल की वृद्धि हो गई है। जो लोग पहले 50 साल की आयु पाते थे, वे अब 70 साल तक जीवित रहते हैं। जनसंख्या-वृद्धि का यही मूल कारण भी है। परिवार नियोजन तो लगभग सभी देशों में प्रचलित है। जापान और चीन में यह चिंता का विषय बन गया है। वहां जनसंख्या घटने की संभावना बढ़ रही है। यदि दुनिया की आबादी 10-12 अरब भी हो जाए तो उसका प्रबंध असंभव नहीं है। खेती की उपज बढ़ाने, प्रदूषण घटाने, पानी की बचत करने, शाकाहार बढ़ाने और जूठन न छोड़ने के अभियान यदि सभी सरकारें और जनता निष्ठापूर्वक चलाएं तो मानव जाति को कोई खतरा नहीं हो सकता। मुश्किल यही है कि इस समय सारे संसार में उपभोक्तावाद की लहर आई हुई है। हर आदमी हर चीज जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहता है। इस दुर्दांत इच्छा-पूर्ति के लिए यदि प्राकृतिक साधन दस गुना ज्यादा भी उपलब्ध हों तो भी वे कम पड़ जाएंगे। ऐसी हालत में पूंजीवादी और साम्यवादी विचारधाराओं के मुकाबले भारत की त्यागवादी विचारधारा सारे संसार के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हो सकती है। जिस संयुक्तराष्ट्र संघ ने 11 जुलाई 1989 को इस विश्व जनसंख्या दिवस को मनाने की परंपरा डाली है, उसके कर्ता-धर्ताओं से मैं निवेदन करूंगा कि वे ईशोपनिषद् के इस मंत्र को सारे संसार का प्रेरणा-वाक्य बनाएं कि 'त्येन त्यक्तेन भुंजीथा' याने 'त्याग के साथ उपभोग करें' तो आबादी का भावी संकट या उसकी चिंता का निराकरण अपने आप हो जाएगा।

-वेद प्रताप वैदिक-

जातिवाद के गणित में मानवतावादी समीकरण के बिखरते स्वर

पुखराज प्राज
फिंगेश्वर छत्तीसगढ़

ज्ञातव्य है की इस पृथ्वी पर जीवन के प्राथम्य दौर में जीवों के सृजन, उत्थान और प्राकृतिक संसाधनों के बीच अनुकूलता के समीकरणों के बीच जीवन का प्रसार हुआ। लाखों वर्षों की लम्बी यात्रा के पश्चात् मनुष्य प्रजाति आदिम से सभ्यता की यात्रा में उसने अपने समान संतति का सृजन, उन्हे अपने जीवन के अनुभव और ज्ञान का प्रसार करना सीख लिया था। यह ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ती गई। वहीं ज्ञान से नव विकास के अनुकूल अवसरों की तलाश ने मनुष्य में अनुसंधान की प्रक्रिया का सृजन किया। जिसके चलते आज भी नित नवीन आविष्कार के आविर्भाव हो रहे हैं। सभ्यता के प्राचीन दौर में सामाजिक ढांचा और उसकी पृष्ठभूमि कबीलाई परम्परा और संगठनों के नाम पर एक ऐसी व्यवस्था का जन्म हुआ जिसे जातिसूचक व्यवस्था का जन्म हुआ। जैसे सिंधु नदी के किनारे रहने वालों की सभ्यता को सिंधु सभ्यता और रनिवासियों को सिंधु से अपभ्रंश शाब्दिक प्रयोग में हिंद और हिन्दू कहा जाने लगा। ठीक वैसे ही छोटे-छोटे समूहों के पहचान, प्रतीक चिन्ह, टोटम, परम्परा के संदर्भ में एक समानता के स्थिति में जाति का सृजन हुआ। वहीं वैज्ञानिक पृष्ठभूमि में जीवों के जीववैज्ञानिक वर्गीकरण में नींव या बुनियादी और निचली श्रेणी होती है। जीव वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ऐसे जीवों के समूह को एक जाति बुलाया जाता है। जो एक दूसरे के साथ संतान उत्पन्न करने की क्षमता रखते हो और जिनकी संतान स्वयं आगे संतान जनने की क्षमता रखती हो।

यानी जाति के समीकरण में अपने आप को जकड़ कर मनुष्य अपने आप को श्रेष्ठ और अन्य की जाति को कमतर की तुलना करने लगता है। सीधे अर्थों में कहें तो जातिवाद, अपने परम्परागत रीति रिवाजों, मान्यताओं और अपनी जाति के हित को सर्वोच्च मानना जातिवाद कहा जा सकता है। निःसंदेह ही जाति प्रथा एक सामाजिक कुरीति से कम भी नहीं है। ये विडंबना है कि आजादी के सात दशक से भी अधिक समय व्यतीत हो जाने के बाद भी हम जाति प्रथा के चंगुल से मुक्त नहीं हो पाए हैं। हालांकि एक लोकतांत्रिक देश के नाते संविधान के अनुच्छेद 15 में राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किए जाने की बात कही गई है। लेकिन लोगों में व्यापक रूप से जातिवाद के समीकरण देखने को मिलते हैं। चाहे राजनीति गलियारे में प्रत्याशी खड़ा करने की बात हो या किसी विशेष वर्ग/जाति के द्वारा राजनीतिक उलटफेर की बात हो दोनो ही अवसर पर बाहुल्य जाति के लोगों और प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति विशेष से मत संबंधि आशीर्वाद लिए जाते हैं। यही समीकरण तक और गंभीर लगने लगता है जब भारतीय लोकतंत्र तंत्र के विभिन्न राज्यों में उपस्थित लोगों को जाति विशेष का संख्यात्मक रूप में जातिवाद के प्रबल समर्थकों के द्वारा जातिगत आंकड़ों को संकलित किया जाता है। इन आंकड़ों के मद्देनजर कई और समीकरण बाहर आते है जैसे राजनीति पकड़, कुल जनसंख्या में अपनी बाहुल्यता साबित करना और जातिवाद के स्वरों को मजबूत करना है। इससे भारतीय सामाजिक ढांचे पर अलहदा चित्र अंकित होने लगता है, जो जातिवाद के जड़ों को मजबूत तो कर देता है। लेकिन इसके साथ सामाजिक संतुलन की स्थिति को छिन्न-भिन्न करके रख देता है। ऐसे ही अंध जातिवाद के भक्तों के द्वारा लोक समाज में अपने बाहुल्यता का महिमामंडन किया जाना इसके स्वाभाविक लक्षणों में से एक हैं।

ऐसा नहीं है कि ये लक्षण केवल यही तक सीमित रहते हैं। ये लक्षण अन्य समूहों,जाति और लोगों को एक होने के लिए प्रावस्थाओं की जननी बन जाती है। जिससे अन्य समुदाय, जाति, पंथ, धर्म और विचारधाराओं का आंकड़ों का संकलन करने का गैर-आवश्यक स्थिति निर्मित होती है। इन सभी स्थितियों का प्रादुर्भाव राजनीति से लेकर सोशल मीडिया के प्रयोगशाला में विभिन्न नव मानवतावादी विचार को कुचलने के समरूप आविष्कारों का जन्म होने के लिए सृजन स्थिति के दरवाजे पर ला खड़ा किया जाता है। परिणामस्वरूप जातिवाद के प्रबल होते समीकरण में कहीं ना कहीं मानवतावादी विचारों की लहर जातिवाद के कोलाहल में गुम हो जाती है। फिर समाज में जाति के आधार पर परतों का निर्माण कहीं ना कहीं दो समुदाय में संघर्ष की स्थिति की संकल्पना को जन्म दे देती है। भारतवर्ष में शुद्ध भारतीय जो जाति, धर्म, पंथ, वर्ग, वर्ण और विचार से पृथक निरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित विचारधारा के मानवों की संख्या की कम है।

श्रीलंका की झांकी में भारत

भारत को श्रीलंका की दशा में अपनी झांकी देखनी चाहिए। सोचें, यदि भारत की दशा श्रीलंका जैसी हुई तो भारत की मदद के लिए कौन होगा? क्या दुनिया वैसे ही भारत से दूरी बनाए हुए नहीं होगी, जैसे श्रीलंका से बनाए हुए है? फिर भारत का संकट कितने आयाम लिए हुए होगा? भारत का संकट अकेले आर्थिकी का नहीं होना है, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक भी होगा। भारत की आबादी और आकार के आगे श्रीलंका कुछ नहीं है। भारत की आयातों और आवश्यकताओं की भूख विशाल है तो साथ में उसके चीन और पाकिस्तान से पंगे हैं, हिंदू-मुस्लिम, खालिस्तानी, संघीय व्यवस्थाओं के इतने तनाव हैं कि उस सबमें दुनिया के कौन से देश भारत की चिंता करते हुए होंगे? क्या अमेरिका, ब्रिटेन या रूस और चीन या जापान?

कटु सत्य है कि पूरी दुनिया ने दक्षिण एशिया की अनदेखी की हुई है। अफगानिस्तान महीनों से भुखमरी व भूकंप जैसी आपदाओं के बावजूद अछूत है। बांग्लादेश हाल में बाढ़ में डूबा हुआ था लेकिन वैश्विक मदद और चिंता नहीं के बराबर। ऐसे ही म्यांमार, पाकिस्तान, नेपाल जैसे देशों से भी दुनिया के अमीर-विकसित देशों की नजरें फिरी हुई हैं। चीन ने जिस तरह श्रीलंका को रामभरोसे छोड़ा है उससे साफ है कि वह अब भूराजनीतिक सरोकारों में भी दक्षिण एशिया की परवाह करता हुआ नहीं हैं। उसे तनिक भी यह चिंता नहीं हुई कि श्रीलंका पर शिकंजे के बाद यदि वह दिवालिया हुआ है तो उसकी मदद कर अपनी बदनामी रोके। चीन ने साबित किया है कि वह पहले साहूकार देश है। उसकी महाशक्ति की ताकत सौ टका आर्थिक हितों के लिए है। उससे भाईचारे, मानवीय संकट में मदद और मित्र देश के उदार व्यवहार की उम्मीद नहीं करें।

श्रीलंका की गोटबाया राजपक्षे सरकार ने बहुत हाथ-पांव मारे। राष्ट्रीय सम्मान और सुरक्षा को ताक में रख कर हर संभव वह कोशिश की, जिससे दुनिया के देश मदद के लिए आगे आएं। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों के कारण वैश्विक संस्थाओं ने रहम नहीं दिखाई तो चीन तथा रूस बात करते रहे लेकिन मदद नहीं मिली। जापान तक ने कन्नी काटी। क्यों? राष्ट्रपति राजपक्षे और उनकी पार्टी की मूर्खताओं के कारण। अपनी सनक में आर्थिक और विदेश नीति के ऐसे फैसले लिए, जिससे सभी देशों का मन उचट गया। एक वक्त था जब पश्चिमी देशों में, जापान में, आसियान देशों में बौद्ध देश श्रीलंका के प्रति लगाव था। उसकी बेइंतहां पर्यटन कमाई थी। ध्यान रहे भारत सहित सभी दक्षिण एसियाई देशों से बेहतर श्रीलंकाई लोगों का जीवन स्तर था। लोग खुशहाल और अच्छे वक्त में जीते हुए थे। सिंहली बनाम तमिल के अंदरूनी गृहयुद्ध के खत्म होने के बाद श्रीलंका में अमन-चैन बना तो विदेशी निवेश भी बढ़ा। लेकिन चीन की गोद में बैठते ही दुनिया श्रीलंका से बिदक गई। राजपक्षे परिवार के राष्ट्रवादी और अहंकारी व्यवहार से देश के भीतर राजनीति बिखरी तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी श्रीलंका हाशिए में चला गया। सोचें, मौजूदा सकंट में भी राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मदद मांगी। न उनसे मदद मिली और न चीन से। पश्चिमी देश तो खैर आगे आने ही नहीं थे।

तभी श्रीलंका की झांकी में भारत के भविष्य के भी कई अर्थ हैं। भारत में विदेशी मुद्रा कोष, डॉलर का रिजर्व घटता हुआ है। डॉलर के मुकाबले रुपया सस्ता हो रहा है। जल्दी ही एक डॉलर 80 रुपए का हो जाएगा। उसके बाद कोई ताकत रुपए को और गिरने से नहीं रोक सकती। वैश्विक मंदी शुरू होने वाली है। सो, भारत का निर्यात नहीं बढ़ेगा। न ही शेयर बाजार में विदेशी निवेशक याकि एफआईआई और एनआरआई भारत में डॉलर लगाने वाले हैं। भारत की करेंसी और शेयर बाजार को आगे जो धक्के लगेंगे और केंद्र-राज्य सरकारों के बढ़ते बजट घाटे, बेइंतहां महंगाई आदि से आगे वे स्थितियां बन सकती हैं, जिससे अपने आप अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के लिए भारत को जंक घोषित करना अनिवार्य हो जाएगा। यों मोदी सरकार की लगातार प्राथमिकता रही है कि दुनिया और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को पटाएं, दुनिया भारत में अच्छे दिन माने रहें लेकिन वैश्विक हालातों से अब अपने आप भारत अब जोखिमपूर्ण बन रहा है।

गंभीर बात दुनिया मंदी की और बढ़ते हुए है। रूस बनाम यूक्रेन का पंगा चलता रहना है। राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनफिंग के गठजोड़ के खिलाफ अमेरिका-यूरोप कमर कस चुके हैं। इसलिए पश्चिमी देशों की वित्तीय-आर्थिक ताकत नई प्राथमिकताएं बनाते हुए है। इसलिए भारत में न डॉलर आने हैं और न भारत का निर्यात बढ़ना है। मोदी सरकार ने रुपए और शेयर बाजार को ऊंचा उठाए रखने के लिए रिजर्व बैंक और एलआईसी जैसी घरेलू वित्तीय संस्थाओं, म्युचुअल फंडों को जैसे दांव पर लगाया है उसके दुष्परिणाम आगे देखने को मिलेंगे। भारत के छोटे-मध्य वर्ग के लोगों ने शेयर बाजार के झांसे में अपनी बचत को जितना बरबाद किया है उससे देश के भीतर अपने आप मंदी पसरती हुई होगी।

सवाल है सरकार पेट्रोलियम पदार्थों जैसी जरूरी चीजों के आयात के लिए डॉलर का कितना रिजर्व बनाएं रख सकती है? जवाब है कि इसका जरिया क्या है? रिजर्व बैंक अब रुपए को ऊंचा रखने के लिए डॉलर खर्च कर रहा है। रिजर्व बैंक ने फरवरी के बाद से कोई चालीस अरब डॉलर बाजार में निकाल जाया किए। यह सिलसिला कितने महीने या साल-दो साल क्या चलाए रखा जा सकता है? नहीं। इसलिए क्योंकि पहली बात अगले छह से नौ महीनों के भीतर भारत को डॉलर करेंसी में लिए हुए 267 अरब डॉलर के अल्पकालिक कर्ज डॉलर में चुकाने हैं। इसका अर्थ है अगले वित्तीय वर्ष अप्रैल 2023 के शुरू होने तक विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घटता हुआ होगा। पिछले साल सितंबर में यह 642 अरब डॉलर था। वह इस एक जुलाई को कोई 588 अरब डॉलर है। मतलब नौ महीनों में 54 अरब डॉलर की कमी! विदेशी निवेशकों के पैसे निकालने, रुपए को ऊंचा बनाए रखने और घटते निर्यात के कारण डॉलर रिजर्व घट रहा है। उधर पेट्रोलियम पदार्थों के महंगे आयात से भी विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव है।

सरकार ने पिछले दिनों प्राइवेट कंपनियों की डॉलर में कर्ज लेने की सीमा को बढ़ा कर डेढ़ अरब डॉलर किया तो भारतीय बैंकों को अनिवासी भारतीयों से विदेशी करेंसी लिवाने के लिए ब्याज दर नीति में लचीलेपन की छूट दी। मगर इनसे कुछ नहीं होना है। श्रीलंका का पड़ोसी है भारत। विदेशी अमीर निवेशकों और वित्तीय संस्थाओं के लिए पूरा दक्षिण एशिया जोखिम का इलाका है। सबसे बड़ी बात की जिन एफआईआई व अमीर वित्तीय संस्थाओं को मुनाफा, कमाई के लिए भारत ठिकाना था वे सब अमेरिका में ही पैसा जमा कर सुरक्षित मुनाफा कमाने की आदर्श स्थिति पाए हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन हों या यूरोपीय संघ के नेता और जापान, ऑस्ट्रेलिया, आसियान और चीन सभी की प्राथमिकता पहले अपने आपको संभालने की हो गई है। चीन और रूस से पंगे वाले पश्चिमी देशों के नेताओं का वह पुराना ख्याल खत्म प्राय है कि चीन के मुकाबले भारत की आर्थिकी को खड़ा किया जाए। चीन व रूस से पश्चिम की खुन्नस का भारत को फायदा नहीं होगा, बल्कि नुकसान अधिक होना है। और तो और इतना भी संभव नहीं है कि कोविड संकट के कम होने के बाद विदेशी पर्यटक भारत घूमने आए।

पता नहीं मोदी सरकार में आर्थिकी की मौजूदा दशा में विदेशी करेंसी के जुगाड़ के सिनेरियो को लेकर क्या-कुछ सोचा जा रहा है? अपना मानना है कि सरकार की प्राथमिकता बजट घाटे और अपने खर्चों की है। वह जनता से ही पैसा वसूल कर खर्च का जुगाड़ कर रही है। लेकिन डॉलर कैसे आएंगे? कह सकते हैं श्रीलंका के लोगों पर जैसे महंगाई और जरूरी सामानों की कमी (आयात न होने के कारण) की दोहरी मार पड़ी तो वैसा ही भंवर भारत में न बने, यह संभव नहीं है।

-हरिशंकर व्यास-

अधिक प्रभावी बने दल बदल कानून

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

महाराष्ट्र में शिवसेना पार्टी के विधायकों द्वारा दलबदल करने के कारण मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की सरकार को गिरा कर शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद देश का दल बदल निरोधक कानून अप्रासंगिक बनकर रह गया है। इस कानून की कमजोरियों का फायदा उठाकर सांसद, विधायक लगातार दल बदल कर रहे हैं। महाराष्ट्र की हालिया घटना के बाद पूरे देश में इस बात को लेकर जोरों से चर्चा है कि मौजूदा कानून दल बदल को रोक पाने में कमजोर साबित हो रहा है। इसे और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। ताकि दल बदल जैसे सत्ता बनाने बिगाड़ने के खेल पर रोक लग सके।

महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर हुए दलबदल में भी भाजपा की भूमिका खुलकर सामने आई है। इससे पूर्व भाजपा कर्नाटक व मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर विधायकों से दलबदल करवा कर वहां की सरकारों को अपदस्थ कर भाजपा की सरकार बनवा चुकी है। 2014 के बाद दलबदल का खेल कुछ अधिक ही खेले जाने लगा है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में पूरी सरकारों को ही अपदस्थ कर वहां भाजपा की सरकार बनवा दी गई थी। उसके बाद गोवा में बहुमत नहीं मिलने के बावजूद सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को दरकिनार कर भाजपा की सरकार बनाई गई थी।

2018 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बसपा से चुनाव जीते सभी 6 विधायकों को कांग्रेस में शामिल करवा कर बहुमत प्राप्त कर लिया था। हाल ही में बिहार विधानसभा में लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद ने असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के 5 में से 4 विधायकों को दल बदल करवा कर राजद में शामिल करवा लिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चन्द्र शेखर राव कांग्रेस के अधिकांश विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करवा चुके हैं। सिक्किम में सिक्किम डेमोक्रेटिक पार्टी के दस विधायक दलबदल कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। चर्चा है कि गोवा कांग्रेस के मौजूदा विधायक कभी भी भाजपा में जा सकते हैं।

मौजूदा नियमों के मुताबिक किसी पार्टी के दो तिहाई व उससे अधिक विधायक एक साथ किसी अन्य पार्टी में विलय करते हैं तो उनकी सदस्यता बच जाती है। इसी का फायदा उठाकर राजनीतिक दलों द्वारा धड़ाधड़ दलबदल करवाया जा रहा है। चुनावो के दौरान भी प्रदेशों में बड़े पैमाने पर विधायकों द्वारा दलबदल किया जाता है। हालांकि उस समय विधानसभाओं के चुनाव होने होते हैं ऐसे में दलबदल का सरकार की सेहत पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

जनता द्वारा निर्वाचित सांसद या विधायक तो अपनी सुविधानुसार दल बदल कर सत्ता का लाभ प्राप्त कर लेता है। मगर ऐसे में उनको वोट देने वाले मतदाता खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगते हैं। किसी पार्टी विशेष के पक्ष में मतदान कर चुनाव जिताने वाले लोगों को उस वक्त बड़ा झटका लगता है जब उन्हें पता लगता है कि उनके वोटों से जीता हुआ जनप्रतिनिधि उनके विरोधी दल की पार्टी में शामिल हो गया है। लगातार दल बदल की हो रही घटनाओं को लेकर लोगों में चर्चा है कि दल बदल विरोधी कानून को और अधिक मजबूत बनाया जाए ताकि जिस कार्यकाल के लिए जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुआ है। उस कार्यकाल में वह दलबदल नहीं कर सके और यदि वह दलबदल करता है तो उसकी सदस्यता समाप्त हो जाए।

अक्टूबर 1967 में हरियाणा के एक विधायक गया लाल ने एक ही दिन मे तीन बार दल बदलकर इस मुद्दे को राजनीति की मुख्यधारा में ला दिया था। उस दौर में आया राम गया राम की राजनीति देश में काफी प्रचलित हो चली थी। अंततः राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते 1985 में 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से देश में दलबदल विरोधी कानून पारित कर इसे संविधान की दसवीं अनुसूची में जोड़ा गया था। इस कानून का मुख्य उद्देश्य भारतीय राजनीति में दलबदल की कुप्रथा को समाप्त करना था।

इस कानून के तहत किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अगर एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है। कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। किसी सदस्य द्वारा सदन में पार्टी के रुख के विपरीत वोट किया जाता है। कोई सदस्य स्वयं को वोटिंग से अलग रखता है। छह महीने की अवधि के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। मगर अगर किसी पार्टी के एक तिहाई विधायक या सांसद दूसरी पार्टी के साथ जाना चाहें तो उनकी सदस्यता खत्म नहीं होगी।

2003 में इस कानून में संशोधन भी किया गया। जब ये कानून बना तो प्रावधान ये था कि अगर किसी मूल पार्टी में बंटवारा होता है और एक तिहाई विधायक एक नया ग्रुप बनाते हैं तो उनकी सदस्यता नहीं जाएगी। लेकिन इसके बाद बड़े पैमाने पर दल-बदल हुए और ऐसा महसूस किया कि पार्टी में टूट के प्रावधान का फायदा उठाया जा रहा है। इसलिए ये प्रावधान खत्म कर दिया गया।

लगातार दलबदल से निपटने में कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 2003 में दसवीं अनुसूची में संविधान में निन्यानवे संशोधन का प्रस्ताव किया गया था। 16 दिसंबर 2003 को लोकसभा द्वारा और 18 दिसंबर 2003 को राज्यसभा द्वारा यह बिल पारित किया गया था। 1 जनवरी 2004 को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई और संविधान (निन्यानवे संशोधन) अधिनियम - 2003 को 2 जनवरी 2004 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया।

2003 के अधिनियम के अनुसार दलबदल विरोधी कानून में एक राजनीतिक दल को किसी अन्य राजनीतिक दल में या उसके साथ विलय करने की अनुमति दी गई है। बशर्ते कि उसके कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य विलय के पक्ष में हों। इस प्रकार इस कानून के तहत एक बार अयोग्य सदस्य उसी सदन की किसी सीट पर किसी भी राजनीतिक दल से चुनाव लड़ सकते हैं। दलबदल के आधार पर अयोग्यता संबंधी प्रश्नों पर निर्णय के लिये मामले को सदन के सभापति या अध्यक्ष के पास भेजा जाता है जो कि न्यायिक समीक्षा के अधीन होता है।

इस कानून में यदि एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता को छोड़ देता है। यदि वह पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना अपने राजनीतिक दल या ऐसा करने के लिये अधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा जारी किसी भी निर्देश के विपरीत सदन में मतदान करता है या मतदान से दूर रहता है। यदि कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। यदि छह महीने की समाप्ति के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कि अध्यक्षता में संसद भवन में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की बैठक में दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ कि इस पर अंतिम निर्णय से पहले सभी हित धारकों जैसे पीठासीन अधिकारियों, संवैधानिक विशेषज्ञों और कानूनी विद्वानों के साथ विचार विमर्श किया जाए।

केन्द्र सरकार को शिघ्र ही दलबदल पर पूरी तरह से रोक लगाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करनी चाहिये। सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिये जिसमें दल बदलने वाले सदस्य की सदस्यता हर हाल में समाप्त हो सके। तभी राजनीति में नासूर बन चुके दलबदल के खेल पर पूरी तरह रोक लग पायेगी।

संपूर्ण रूप से अहिंसा वादी बने!

डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा, राजस्थान!

जी, बहुत से घर में हम देखते हैं, जहां किसी का बहुत ज्यादा अपमान होता है, खास तौर पर एक औरत का, जब आप उसे बार-बार यह कहते हैं, तुम्हें कुछ नहीं आता, तुम्हें आता ही क्या है, तुम कुछ नहीं कर सकती, जब बहुत सारे अपशब्द को उपयोग में लाते हैं, उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाते हैं या पराए लोगो से संबंध बनाते हैं!

मानसिक दर्द, अपमान, धोखा कभी भुलाया नहीं जा सकता, चाहे इंसान कितना ही आगे बढ़ जाए! याद रखिए, कभी-कभी आप जाने अनजाने में, अपने अभिमान में, अपने शौक को जीने मैं इतने मग्न हो जाते कि किसी को जिंदगी भर की पीड़ा दे जाते हैं और इसके बाद में दो-चार आंसू बहा देने से या माफी मांगने से वह पीड़ा कम नहीं होती और कुछ लोग तो अभिमान में इतने चूर होते हैं कि जब उनकी मृत्यु नजदीक होती है तब ही उन्हें समझ में आता है, की हमसे कोई गलती यह गुनाह भी हुआ!

स्वयं के साथ वक्त बिताए और जानिए ऐसे कौन-कौन से कर्म है जो हम किसी के साथ कर रहे हैं और हमें खुद के लिए मंजूर नहीं! जो हमें स्वयं के लिए मंजूर नहीं उसे आज से ही त्याग दीजिए, भूलिए मत पृथ्वी गोल है, कर्म अच्छे हो या बुरे दोबारा लौट के जरूर आते हैं!

आपको आज नहीं तो कल, इस बात का जरूर एहसास होता है, कि आपने किसी के साथ कितना गलत किया! खुदा की मर्जी, जो जिसके लायक है उसे वही मिलेगा, इसे सोच कर अपने गलत कर्मों से बचने की कोशिश ना करें!

अगर जाने अनजाने में हमने किसी के साथ बुरा कर भी दीया, तो उनसे माफी मांगने के साथ-साथ, उनके साथ बहुत ज्यादा अच्छा करने की कोशिश कीजिए, कि शायद वो आपकी गलती को भूल जाएं, शायद उनके कुछ जख्म भर जाए!

आपको लगता है कि हमारी की गई गलती, किसी को दिया हुआ दर्द माफ हो सकता है, पर सोचिए अगर वह इंसान दुनिया के दिलों को जीत लेता है और सभी का पसंदीदा बन जाता है, कल को हर जगह या युगो युगो तक उसकी चर्चा होती है, तो भूलेगा नहीं की युगो युगो तक जिसने गलत कार्य किया है, उसका दिल दुखाया है, उसे तकलीफ पहुंचाई है, ऐसे अत्याचारी को कोई भी माफ नहीं करेगा, सभी के मुख से उसके लिए अच्छा नहीं निकलेगा, तो सोचिए उसकी आत्मा को शांति कब मिलेगी! उदाहरण के तौर पर आज भी कंस, रावण, दुर्योधन, हिटलर और भी कहीं ऐसे उदाहरण है जिन्हें कोई आशीर्वाद के साथ याद नहीं करता, करता है तो बद्दुआ देते हुए!

हम में से कोई यह नहीं चाहता है, पर चाहने और प्रयत्न करने में बहुत फर्क है, कोई भी इंसान कमजोर नहीं, कोई भी व्यक्ति डरपोक नहीं, बस बात इतनी सी है, की कुछ लोग छोटी-छोटी बातों को बड़ी नहीं बनाना चाहते और इसी कारण उनके लिए बड़ी बड़ी बातें छोटी हो जाती है, अगर एक औरत यह नहीं चाहती की उसके मां-बाप को या बच्चों को तकलीफ हो तो वह आपकी हर बात को नजरअंदाज करती रहती है, इसका मतलब यह नहीं कि आप कुछ भी बोलते रहें, आप उसके साथ कुछ भी करते रहे, खुदा सब देख रहा है और वह कर्मों का हिसाब शत प्रतिशत रखता है, दिखावा करना बंद करें, अगरबत्ती लगाने या उस खुदा के गुणगान गाने से पहले कुछ गुणों को अपने अंदर भी लाएं!

नन्ही सी जान

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम छत्तीसगढ़

रहती माँ की कोख में,
बनकर नन्ही जान।
नौ महिने परिपूर्ण से,
लेकर आती मान।।
आते ही संसार में,
रुदन करती जोर।
इंसानों को देख कर,
करती है वह शोर।।
नयन खोलती है परी,
झूम उठे घर द्वार।
मम्मी पापा सँग सभी,
करते अनुपम प्यार।।
बेटी को जब देखती,
बहती खुशियाँ नीर।
खो जाती कुछ पल वहाँ,
याद रहे नहिं पीर।।
माँ लेती जब गोद में,
चुम्बन करती माथ।
कहती उसके कान में,
हरपल हूँ मैं साथ।।

आज दहाड़े अपना शेर

कमलेश झा
भागलपुर बिहार

जब कलम लिखे सत्ता बखान तो
धार कलम में क्या होगा ?
कलम कार जब बेचे ईमान तो धार
कलम में क्या होगा??
अर्ध ज्ञानी के पीछे लगे जमाना
उद्धार किसी का क्या होगा ?
शेरों को भी मौन कराकर कैद डाल
कर क्या होगा ??
वर्षो कैद रही भारत माता बोलो
हमने क्या पाया ?
अपने शेरों को खुद ही हमने मौन
कराकर क्या पाया ??
आज दहाड़े अपना शेर तो फिर प्रश्न
उठने से क्या होगा।
उल्टे सीधे प्रश्नों से फिर नुकसान
केवल आपका होगा ??
एक शेर की गर्जन भर थर्राती है
जंगल साम्राज्य ।
चार शेर की गर्जन को कैसे झेले
लुटेरे वर्ग ये खास ??
चक्र यहां प्रगति का द्योतक इसको
तो चलने से काम।
चक्कर इसे बनकर तुमको क्यों
करना अपना काम आसान??
कलम कार का धर्म बस इतना सच
का आईना रखे वो साथ।
आने जाने वाले लोगों को दिखाते
रहे आईना वो खास।।
कमलेश करे धर्म वो पालन कलम
चले बस सच के साथ ।
आर्यावर्त के सान में लिखते रहे
गौरव इतिहास।।

सावन आया

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
बालोद छत्तीसगढ़

रिम-झिम बूँदें लेकर,
हँसता सावन आया।
जैसे स्वर्ग से होकर,
कोई मनभावन आया।।
नील गगन में उड़ती,
काली काली बदरी।
मस्त स्वच्छंद घूमती,
ज्यों धरी छड़ी परी।।
कूप नदी सरोवर,
हुए सब पानी पानी।
मेंढक को टर्र.टर्र.,
याद रहा जुबानी।।
भीगी हुई हवा आज,
पेड़-पौधे को झुलाये।
जहाँ बैठ परिन्दे आज,
सारे जग को लुभाये।।

मिले आसरा भोले

कार्तिकेय त्रिपाठी राम
इन्दौर, मध्यप्रदेश

मेरी कामना पूरी कर दो,
अब तो भोलेनाथ ,
जो भी अर्पण करूं आपको,
मन से ले लो नाथ ।
मेरी कामना पूरी .....
जीवन भर मैं लेता आया,
दिया आपनें हांथ,
आज करूं मैं यही कामना,
दे दो मेरा साथ ।
मेरी कामना पूरी ....
उदर भरा जीवन भर मेरा,
दी श्वांसें बेहिसाब,
भक्ति-भाव भर दो मन में,
बस ऐसा करो हिसाब।
मेरी कामना पूरी ....
जीवन चलता रहे हमेशा,
नहीं करूं कोई पाप,
मन भर करता रहूं पूण्य में,
ना हो कोई संताप।
मेरी कामना पूरी .....
जीवन की हर एक डगर में,
भोले तेरी राह निहारूं,
मिले आसरा जब भी तेरा,
मनभर कर मुस्कानें बाटूं।
मेरी कामना पूरी ...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मेडिकल कॉलेज के एमसीएच में डिलीवरी के बाद जुड़वा बच्चों का किया गया सौदा

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमसीएच में जुड़वा बच्चा का सौदा किए जाने का मामला सामने आया है। मातृ एवं शिशु अस्पताल के स्टाफ नर्स की मिली भगत से जुडवा बच्चों को बेचने का मामला सामने आया है। घटना 25 मई की है। मामला सामने आने पर सरगुजा पुलिस जांच कर रही है। पुलिस बच्चे की असली मां, सौदा करने वालों व मामले में शामिल लोगों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार पत्थलगांव थाना क्षेत्र की 45 वर्षीय विधवा महिला को क्षेत्र के ही एक व्यक्ति ने प्रेम जाल में फंसाकर पहले शारीरिक संबंध बनाया, फिर जब वह प्रेग्नेंट हो गई तो डिलीवरी के लिए अम्बिकापुर के मातृ-शिशु अस्पताल में ले जाकर उसका प्रसव कराया। पीड़िता ने यहां जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। बच्चों के जन्म लेने के बाद आरोपी व उसकी बहन ने दोनों जुड़वा बच्चों का कहीं सौदा कर उन्हें बेच दिया। पीड़िता अस्पताल में जबतक भर्ती रही तब तक आरोपी उसे यह कहता रहा कि दोनों बच्चे कमजोर हैं और उनका इलाज इसी अस्पताल के एसएनसीयू में चल रहा है। जब महिला को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया और डिस्चार्ज होने के बाद महिला अपने बच्चों के बारे में पूछने लगी तो आरोपी रह-तरह का बहाना बनाने लगे।

पीड़िता कुछ दिन पूर्व अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंच कर अपने जुड़वा बच्चों का बर्थ सर्टिफिकेट मांगी। यहां उसे पता चला कि बच्चों को कोई और ले गया है और जो लोग ले गए हैं, बर्थ सर्टिफिकेट उन्हीं के पास है। इसके बाद पीड़िता बच्चों के बारे में पता करती रही पर कहीं पता नहीं चला। बच्चों को बेचे जाने का पता चला तो पीड़िता ने पत्थलगांव थाने पहुंच कर मामले की जानकारी दी। लेकिन मामला अंबिकापुर थाना क्षेत्र का होने के कारण पुलिस विशेष कुछ नहीं कर पाई। इस दौरान पत्थलगांव पुलिस ने अंबिकापुर पुलिस को जानकारी दी। फिर अंबिकापुर स्थित मणिपुर चौकी पुलिस ने अस्पताल से पूरी जानकारी निकाली तो पता चला कि 25 मई को महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था।

दोनों बच्चों को किया गया बरामद

मामला सामने आने पर मणिपुर पुलिस ने अस्पताल के स्टाफ नर्स व आरोपी की बहन को थाना बुलाकर पूछताछ की तो पता चला की सभी ने मिलकर एक बच्चे को अंबिकापुर स्थित गंगापुर में एक दंपती को बेच दिया है। वहीं दूसरे बच्चे को कोरबा क्षेत्र में बेचने की बात सामने आई। पुलिस मामले में शामिल सभी लोगों को बुलाकर पूछताछ कर रही है।

स्कूलों में शैक्षिक गतिविधियों चुस्त रखने की जा रही मॉनिटरिंग सख्त

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के द्वारा दिए गए शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के साथ समय पर शाला खुलने व शिक्षकों की उपस्थिति के लिए सख्त मॉनिटरिंग के निर्देश का असर दिखाई देने लगा है। कलेक्टर के निर्देश का अमल करते हुए अधिकारी नियमित रूप से स्कूलों का जांच व निरीक्षण कर रहे है। व्हाट्स एप्प के मॉनिटरिंग ग्रुप में फोटो व वीडियो भी लगातार शेयर किया जा रहा है।
कलेक्टर के निर्देश पर डीईओ, बीईओ, प्राचार्य व संकुल प्रभारी स्कूली गतिविधियां के साथ शिक्षकों की उपस्थिति पर नजर रखी जा रही है। जरूरी निर्देश या सूचना देना होता है उसे तत्काल ग्रुप में शेयर किया जा रहा है। इसी प्रकार शिक्षकों व विद्यार्थियों की उपस्थिति की जानकारी भी दी जा रही है। किसी शिक्षक के बगैर सूचना के विलंब से आने या अनुपस्थत रहने पर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के निर्देश के अनुपालन में शिक्षक सक्रियता से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। विगत शनिवार से शुरू हुए बैगलेस डे में बच्चो को खेल खेल में पढ़ाई कराया जा रहा है। खेल कूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक गतिविधियों से बच्चे उत्साहित है।

हिन्दू धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने के उद्देश्य आपत्ति जनक

टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
हिन्दू धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने के उद्देश्य आपत्ति जनक टिप्पणी कर सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। इस वायरस पोस्ट में हिन्दूओं के देवता शिव लिंग पर आपत्ति जनक टिप्पणी की गई। जोकि काफी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। जिसको लेकर हिन्दू सेना के कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताते हुए बरियों चौकी पर मामला दर्ज कराया इस मामले में हिन्दू सेना के सदस्य और पेशे से वकील शत्रुघ्न सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए शासकीय स्कूल के प्रचार्य फिलजेन्श तिग्गा ने हमारे अराध्य भगवान, शिव लिंग पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट किया था।.जिसको लेकर हमने बरियों चौकी में मामला दर्ज कराया है। जिसके बाद बरियों चौकी प्रभारी रजनीश सिंह ने मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला और 2 मासूम बेटों की संदिग्ध हालत में आग से जलकर मौत

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
पति के दूसरी महिला से नाजायज रिश्ते को लेकर 9 साल से पत्नी के साथ विवाद चला आ रहा था। शनिवार की दोपहर भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई। इसके बाद पत्नी व 2 मासूम बेटों की संदिग्ध अवस्था में जलकर मौत हो गई। दरअसल गंभीर रूप से झुलसी महिला व उसके दोनों बेटों को पड़ोसियों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर हालत में अंबिकापुर के निजी अस्पताल में महिला व छोटे बेटे की देर रात मौत हो गई, जबकि बड़े बेटे ने रविवार की दोपहर दम तोड़ दिया। इस मामले में मृतिका के भाई ने अपने जीजा पर दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाया है। उसने अपने बयान में घटना से चंद घंटे पूर्व इसी बात को लेकर हुए विवाद का भी जिक्र किया है।
सूरजपुर जिले के शक्तिनगर जरही निवासी संजीव चौधरी एसईसीएल में माइनिंग सरदार के पद पर पदस्थ है। वह अपनी पत्नी बसंती चौधरी 31 वर्ष, पुत्र अनमोल 10 वर्ष व हिमांचल 4 वर्ष के साथ रहता था। संजीव चौधरी का कहना है कि वह शनिवार को नाइट ड्यूटी पर था, इसी बीच पड़ोसियों से खबर मिली कि उसके घर में आग लग गई है और पत्नी तथा दोनों बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। यह सुनते ही वह सीधा भटगांव अस्पताल पहुंचा और देखा कि पत्नी व बच्चों की हालत गंभीर है। यहां से डॉक्टरों ने तीनों को रेफर कर दिया। इसके बाद उसने तीनों को अंबिकापुर के जेजे हॉस्पिटल में भर्ती कराया। यहां देर रात पत्नी व छोटे बेटे की मौत हो गई, जबकि बड़े बेटे ने रविवार की दोपहर करीब 12 बजे दम तोड़ दिया। सूचना पर मणिपुर चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतिका के पति और मृतिका के भाई का बयान दर्ज किया है।

भाई ने जीजा पर लगाया दूसरी महिला से संबंध होने का आरोप

जीजा की दूसरी महिला से हैं नाजायज संबंध

पुलिस को दिए बयान में मृतिका के भाई जमशेदपुर निवासी सुमंत चौधरी ने बताया कि शनिवार की दोपहर 3 बजे बहन का फोन आया था। बहन ने जीजा (अपने पति) के दूसरी महिला से नाजायज संबंध को लेकर विवाद होना बताया। यह बात वह पिछले कुछ सालों से उसे व उसके परिवार वालों को बताती आ रही थी। बहन की बात सुनते ही उसने कहा कि वह उसे लेने वहां आ रहा है। इसी बीच रात 12.30 बजे सूचना मिली कि बहन व छोटे भांजे की जलकर मौत हो चुकी है। जब वह जेजे अस्पताल पहुंचा तो रविवार की दोपहर बड़े भांजे ने भी दम तोड़ दिया।

2013 से चला आ रहा है विवाद

माइनिंग सरदार संजीव चौधरी की शादी झारखंड के जमशेदपुर निवासी बसंती चौधरी 31 वर्ष से वर्ष 2009 में हुई थी। इस दौरान उनके 2 बच्चे अनमोल 10 वर्ष व हिमांचल 4 वर्ष हुए थे। मृतिका के भाई ने बताया कि वर्ष 2013 में बहन को पता चला था कि जीजा के दूसरी औरत से नाजायज संबंध हैं। इस बात को लेकर उनके बीच अक्सर विवाद होता रहता था। इसके बाद भी जीजा का अफेयर जारी था। शनिवार को भी इसी बात को लेकर बहन व जीजा के बीच विवाद हुआ था। इधर मणिपुर चौकी पुलिस पति व मृतिका के भाई का बयान दर्ज कर मर्ग डायरी भटगांव पुलिस को भेजने की तैयारी में है।

कड़ी सुरक्षा के बीच हुई नीट की परीक्षा

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
कड़ी सुरक्षा व निगरानी के बीच अंबिकापुर के केंद्रों में नीट की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में लगभग 4 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल हुए। अंबिकापुर में पिछले वर्ष से ही नीट की परीक्षा हो रही है। इससे पूर्व परीक्षार्थियों को बिलासपुर, रायपुर, भिलाई सहित अन्य शहरों में जाना पड़ता था। वर्ष 2021 से नीट की परीक्षा अंबिकापुर में आयोजित होने से संभाग सहित आस-पास के राज्यों से आने वाले परीक्षार्थियों को सुविधा उपलब्ध हो रही है। इस वर्ष लगभग 4 हजार परीक्षार्थियों ने नीट परीक्षा के लिए आवेदन किया था। नीट की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक ली गई। परीक्षार्थियों को दोपहर 1.30 बजे परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य था। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों में विशेष उत्साह देखा गया। परीक्षा केंद्रों पर विशेष तैयारी की गई थी। परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर ही अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज चेक किए गए। इस दौरान परीक्षार्थियों को अपने साथ केवल आधार कार्ड, एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी भी चीज को अपने साथ ले जाना वर्जित था। वहीं परीक्षार्थियों के परीक्षा केन्द्र परिसर में ही जूता-चप्पल उतरवा लिए गए थे। महिला परीक्षार्थियों को बंधे हुए बाल के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश वर्जित था। इसके मद्देनजर महिला परीक्षार्थियों के परीक्षा हॉल के बाहर ही बाल खुलवा दिए गए थे।

मरीज एवं उसका मातृत्व सुरक्षित रखने में सफल:डॉक्टर अंकिता गोयल

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
गत दिवस फैलोपियन ट्यूब में गर्भधारण की महिला का ट्यूब भ्रष्ट होने पर अत्यधिक खून के रिसाव के साथ महिला को संकल्प हॉस्पिटल अंबिकापुर में लाया गया। मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। उसके पेट में ढेर सारा खून भरा था, जिसके कारण दर्द एवं सांस लेने में तकलीफ से मरीज अचेत अवस्था में थी। संकल्प हॉस्पिटल के स्मार्ट आईसीयू में क्लाउड फिजीशियन के एक्सपर्ट डॉक्टर की मदद से डॉक्टर अंकिता गोयल ने तत्काल महिला का लेप्रोस्कोपिक सर्जरी कर उसके गर्भ को बाहर निकाला तथा उसके फैलोपियन ट्यूब को भी सुरक्षित बचा लिया। अब वह महिला भविष्य में मां बन सकती है।

फैलोपियन ट्यूब में गर्भधारण होना एक्टोपिक प्रेगनेंसी कहलाता है तथा इस तरह का भ्रूण जीवित नहीं बचता है। इस केस में डॉ अंकिता गोयल ने बताया कि मरीज कुछ सावधानी के साथ पुनः मां बन सकती है। उपचार के उपरांत मरीज को घर जाने के लिए डिस्चार्ज कर दिया गया है।संकल्प हॉस्पिटल अम्बिकापुर द्वारा क्लाउड फिजिसियन के साथ स्मार्ट आई सी यू का संचालन किया जा रहा है, जहां इलाज की विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध है।

धान खरीदी केंद्र प्रांगण में रोपे गए 63 पौधे

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। परमपूज्य सतपालजी महाराज की प्रेरणा से मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम अंबिकापुर, जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ के द्वारा पूज्य महात्मा अपर्णा बाईजी एवं मान्यता बाईजी के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि लखनपुर जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंह देवजी उपस्थिति में ग्राम लहपटरा, जिला सरगुजा के धान खरीदी केंद्र प्रांगण में 17 जुलाई 2022 को कुल 63 पौधे रोपित किये गये। इस कार्यक्रम में मानव सेवादल के प्रान्त संयोजक राजेश्वर सिंह, जिला प्रधान संतराम राजवाड़े जी, वरिष्ठ प्रेमी धनीराम, हेमंत,विष्णु, हीरा राजवाड़े, सुनीता, सोनमति, नानबाई एवं ग्रामवासी सर्वश्री मकसूद हुसैन, रामसुजान द्विवेदी जी का सहयोग सराहनीय रहा।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टीएस सिंहदेव ने रविवार को ग्राम भिट्ठीकला में संयुक्त जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा का उद्घाटन किया। उद्घाटन पश्चात उन्होंने जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों के साथ प्लांट का अवलोकन कर उसके प्रोसेसिंग के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस प्लांट के शुरू होने से अस्पतालां, लैब व डाइग्नोस्टिक सेंटर आदि से निकलने वाले बॉयो मेडिकल वेस्ट के उचित निपटान के लिए अब सुविधा होने की बात कही।

अम्बिकापुर विकासखण्ड के भिट्ठीकला में क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा मेसर्स व्हीएम टेक्नो सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से संयुक्त जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा की स्थापना की गई है। इस प्लांट की देख-रेख, प्रचालन व प्रबंधन की जिम्मेदारी मेसर्स व्हीएम टेक्नो सॉफ्ट लिमिटेड की होगी। प्लांट में 200 किलोग्राम प्रति घंटा बॉयो मेडिकाल इनसिंनरेशन, 200 किलोग्राम प्रति घंटा बॉयो मेडिकल इन्फ़ेक्शस वेस्ट, 100 किलोग्राम प्रतिघंटा कतरन क्षमता तथा 10 किलो लीटर दूषित जल उपचार क्षमता के संयंत्र लगाए गए है। दूषित जल उपचार संयंत्र अंतर्गत क्लेक्शन टैंक, ऑयल एंड ग्रीस ट्रेप, सीवेज वाटर कलेक्शन टैंक, फीड पम्प, एरिएशन टैंक, सेकेण्डरी सेटलिंग टैंक, पीएसएफ एवं एससीएफ ट्रीटेड वाटर स्टोरेज टैंक की स्थापना की गई है। दूषित जल के उपचार के पश्चात वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु स्थापित स्क्रबिंग, वाशिंग ,सिंचाई तथा जल छिड़काव के उपयोग कर परिसर के बाहर शून्य निस्सारण की स्थिति रखी जाएगी।
इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री राकेश गुप्ता, सीएमएचओ डॉ पीएस सिसोदिया, क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी श्री पीके राबड़े, श्री हेमंत सिन्हा, व्हीएम टेक्नोक्राफ्ट के डायरेक्टर श्री विपिन मालिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नवापारा में नहीं थम रही चोरी की वारदातें

-नगर संवाददाता-
लखनपुर ,17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
थाना क्षेत्र के नवापारा में वाहन चोरी सहित वाहनों से डीजल चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। विगत दिनों पूर्व भी नवापारा कुन्नी चौक में घर के सामने खड़े पिकअप वाहन सहित में मिनी ट्रक से डीजल चोरी की वारदात हुई थी बीती रात भी नवापारा में सड़क किनारे खड़े खराब ट्रेलर से अज्ञात चोरों के द्वारा 200 लीटर की डीजल चोरी कर ली गई। डीजल चोरी होने के उपरांत वाहन चालक परेशान है ट्रेलर हुई डीजल चोरी की सूचना वाहन चालक के द्वारा लखनपुर थाने में सूचना की गई है। सूचना मिलने उपरांत लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भागलपुर निवासी छोटेलाल ट्रेलर क्रमांक सीजी 07 द्द 5201 को ट्रेलर खराब होने पर नवापारा मुख्य मार्ग अभय वर्मा के घर के सामने खड़ी की थी। रात में ट्रेलर चालक गाड़ी के अंदर सोया हुआ था सुबह उठकर देखा तो अज्ञात चोरों के द्वारा 200 लीटर डीजल की चोरी कर ली गई। डीजल चोरी होने पर वाहन चालक परेशान हालत में है ।इसके बाद उसने घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दि लखनपुर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। विगत दिनों पूर्व चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिला महामंत्री सौरभ अग्रवाल के मिनी ट्रक जो नवापारा में वाहन चालक के घर के सामने खड़ी थी अज्ञात चोरों के द्वारा दो बार मिनी ट्रक से डीजल की चोरी कर ली गई थी। जिसके बाद चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के जिला महामंत्री सौरभ अग्रवाल के द्वारा डीजल चोरी होने की सूचना एसडीओपी व थाना प्रभारी लखनपुर को दी गई थी साथ ही संदिग्ध लोगों की जानकारी भी थाने में दी गई थी। अभी तक पुलिस के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। तो वही जिस तरीके से लखनपुर क्षेत्र में लगातार दो पहिया, चार पहिया, वाहनों सहित दुकानों व घरों में चोरी की वारदातें सामने आ रही है और कार्यवाही नहीं होने से तथा चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने से क्षेत्रवासियों में भय का माहौल व्याप्त है। क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने लखनपुर के वरिष्ठ नागरिक व क्षेत्र वासी सरगुजा पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करेंगे।

12 वीं किस्त का कर रहे इंतजार,2 हफ्तों में कर लें यह काम,नहीं तो लिस्ट से हट जाएगा नाम

नई दिल्ली, 17 जुलाई 2022। पीएम किसान योजना के लाभुक किसानों को योजना की 12वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार है. इससे पहले उनके खाते में योजना की 11वीं किस्त के पैसे आ चुके हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस बार आपके खाते में योजना के पैसे तभी आएंगे जब आपका ई-केवाईसी अपडेट होगा. यानी अगर आप अपना ई-केवाईसी अपडेट नहीं करते हैं तो आपके खाते में योजना के पैसे नहीं आएंगे. इसलिए अगर अभी तक आपने अपना ई-केवाईसी नहीं कराया तो जल्द से जल्द इसे पूरा कर लें.

31 जुलाई ई-केवाईसी कराने की आखिरी तारीखः

जी हां, किसान सम्मान निधि के लाभुकों की लिस्ट में अगर आपका भी नाम है तो आपके लिए केंद्र सरकार की राशि पाने के लिए ई-केवाईसी अपडेट करना बेहद जरूरी है. इसके लिए सिर्फ 14 दिन का समय बचा है. यानी दो हफ्तों के भीतर आपको ई-केवाईसी कराना होगा. अगर 31 जुलाई 2022 से पहले आपने अपनी ई-केवाईसी नहीं करवाई तो योजना का पैसा आपके खाते में नहीं आएगा. ई-केवाईसी अपडेशन की पूरी जानकारी पीएम किसान पोर्टल पर दी गई है.

खाते में कब आएगी रकम

किसानों को केंद्र सरकार की ओर से साल में तीन बार सम्मान निधि मिलती है. केन्द्र सरकार किसानों को पहली किस्त एक अप्रैल से 31 जुलाई के बीच जारी करती है. वहीं, सम्मान निधि की दूसरी किस्त 1 अगस्त से 30 नवंबर के बीच जारी करती है. इसी तरह तीसरी किस्त सरकार 1 दिसंबर से 31 मार्च के बीच जारी करती है. ऐसे में सरकार ने 11वीं किस्त जारी कर दिया है. अब अगस्त से लेकर नवंबर के बीच 12वीं किस्त जारी हो सकती है.

ऐसे चेक करें योजना के लाभार्थियों की लिस्ट

पीएम किसान योजना के लाभार्थियों की लिस्ट में आपका नाम है या नहीं अब इसे चेक करना बेहद आसान है. योजना के लाभार्थी लिस्ट में अपना नाम चेक करने के लिए सबसे पहले पीएम किसान की आधिकारिक वेबसाइट https://pmkisan.gov.in/ पर जाएं. यहां Farmers Corner का ऑप्शन दिखेगा. इसके बाद Beneficiary List के ऑप्शन पर क्लिक कर दें. फिर एक नया पेज खुल जाएगा. नए पेज पर अपने राज्य, जिला, उप-जिला, ब्लॉक और गांव की पूरी जानकारी दर्ज कर दें. इसके बाद Get Report पर क्लिक करें. यहां आपको सभी लाभार्थी किसानों की लिस्ट मिलेगी. जिसमें आप अपना नाम चेक कर सकते हैं।.

वेतन बढ़ोतरी को लेकर विमानन कंपनियों के सामने बड़ा संकट,बीमारी का बहाना बनाकर अवकाश पर हैं कर्मचारी

नई दिल्ली , 17 जुलाई 2022।
कोरोना महामारी के बाद भारत की विमानन कंपनियों के सामने एक नया संकट खड़ा हो गया है. खबर यह है कि वेतन बढ़ोतरी को लेकर विमानन कंपनियों में कर्मचारियों का असंतोष बढ़ता ही जा रहा है. एक ओर कोरोना महामारी के बाद उड़ान सेवाएं शुरू होने के बाद विमानन कंपनियां अच्छे दिन लौटने की उम्मीद कर रही हैं, वहीं दो साल से वेतन नहीं बढ़ाए जाने से इन कंपनियों के कर्मचारियों में असंतोष बना हुआ है. आलम यह कि कई विमानन कंपनियों के कर्मचारी बीमारी का बहाना बनाकर अवकाश पर चले गए हैं. अवकाश पर जाने वाले कर्मचारियों में ज्यादातर इंडिगो और गो फर्स्ट के तकनीशियन हैं.

अपनी कंपनी छोड़कर दूसरी में जाने की फिराक में कर्मचारी

हालांकि, कर्मचारियों की कमी के बावजूद कुछेक घटनाओं को छोड़कर इंडिगो और गो फर्स्ट के अपनी उड़ानों का परिचालन सुचारू रखने में सफल रही हैं. इन एयरलाइन में कर्मचारियों की कमी की एक और प्रमुख वजह आकाश एयर, पुनर्गठित जेट एयरवेज और टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया द्वारा चलाया जा रहा भर्ती अभियान भी है. गत दो जुलाई को इंडिगो की करीब 55 प्रतिशत घरेलू उड़ानों में देरी हुई, क्योंकि इसके चालक दल की एक बड़ी संख्या छुट्टी पर चली गई थी.

बीमारी का अवकाश लेकर नौकरी तलाशने गए कर्मचारी

सूत्रों का कहना है कि ये कर्मचारी बीमारी का अवकाश लेकर कथित रूप से एयर इंडिया में चल रही नियुक्ति गतिविधियों में भाग लेने गए थे. 13 जुलाई को स्पाइसजेट के कुछ पायलटों ने संदेश दिया कि एयरलाइन के कप्तान और 'फर्स्ट ऑफिसर% अपने कम वेतन के विरोध में बीमारी के अवकाश पर जा रहे हैं. हालांकि, एयरलाइन ने कहा कि उस दिन सभी पायलट काम पर आए थे. महामारी के चरम के दौरान भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने अपने कर्मचारियों के वेतन में कटौती की थी. ज्यादातर अब भी अपने कर्मचारियों को कम वेतन दे रही हैं और उन्होंने उन्हें 'पूरा% वेतन देना शुरू नहीं किया है.

नए लोगों को काफी कम वेतन दे रही कंपनियां

एक किफायती विमानन सेवा कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि कर्मचारी इस बात को जानते हैं कि उनके ऊपर इस समय काम का बोझ महामारी से पहले के समय जितना है, लेकिन उनको कम वेतन दिया जा रहा है. साथ ही महंगाई की वजह से उनकी स्थिति और खराब है. उन्होंने कहा कि इससे कर्मचारियों में असंतोष है. विशेष रूप से नीचे के पदों पर कार्यरत तकनीशियनों आदि में काफी नाराजगी है. विरोध में शामिल रहने वाले दो तकनीकी कर्मचारियों ने कहा कि किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन में नए लोगों को 8,000 से 15,000 रुपये का वेतन ही दिया जा रहा है, जो काफी कम है.

विमानन क्षेत्र में 2004 से कर्मचारियों की हालत खस्ता

हालांकि, कम वेतन का मुद्दा अभी उठ रहा है, लेकिन विरोध से पता चलता है कि विमानन उद्योग में यह स्थिति काफी समय से है. पिछले साल सितंबर और नवंबर में दो बार ऐसे मौके आए, जब स्पाइसजेट के कर्मचारी दिल्ली हवाईअड्डे पर कम वेतन के विरोध में हड़ताल पर चले गए. इनमें ज्यादातर कर्मचारी सुरक्षा विभाग और विमान रखरखाव से जुड़े थे. दिसंबर, 2020 में विमानन क्षेत्र की सलाहकार कंपनी कापा (सीएपीए) इंडिया की रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय विमानन क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन पर बाद में ध्यान दिया जाता है और यह स्थिति 2003-04 से है. रिपोर्ट में कहा गया था कि सैकड़ों विमान खरीद लिए जाते हैं और उन्हें बेड़े में शामिल कर लिया जाता है, लेकिन इस बात पर ध्यान नहीं दिया जाता कि इनके परिचालन के लिए कुशल श्रमबल की जरूरत है.

बिल गेट्स को पीछे छोड़ गौतम अडानी बने दुनिया के चौथे सबसे आमिर शख्स

नई दिल्ली , 17 जुलाई 2022। दुनिया के अमीरों की सूची में भारत के उद्योगपतियों का दबदबा कायम है. एक बार फिर देश के सबसे बड़े उद्योगपति गौतम अडानी ने बड़ा उलटफेर किया है.

फोर्ब्स बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक गौतम अडानी, माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को पछाड़कर अब दुनिया के चौथे सबसे अमीर आदमी बन गए हैं. अडानी की कुल संपत्ति 113 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई. वहीं, गेट्स 102 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ इस लिस्ट में पांचवें स्थान पर काबिज है.

टॉप-10 में अंबानी बने हुए है-

टॉप-10 अरबपतियों में शामिल दूसरे भारतीय उद्योगपति रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी हैं. वे इस लिस्ट में 10वें नंबर पर बने हुए हैं. उनकी नेटवर्थ 87.1 अरब डॉलर है. अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की संपत्ति में फासला और बढ़ गया है.

अडानी से ये तीन कारोबारी आगे-

फोर्ब्स बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार, अडानी से संपत्ति के मामले अब केवल दुनिया के तीन कारोबारी ही आगे हैं. इस लिस्ट में शीर्ष पर टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क है. उनकी संपत्ति 229 बिलियन डॉलर है. इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर फ्रांस की लक्जरी गुड्स बनाने वाली कंपनी एलएमवीएच के मालिक बर्नार्ड अर्नाल्ट और उनका परिवार है. उनकी संपत्ति 145 बिलियन डॉलर है. वहीं, तीसरे नंबर पर अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस का आता है. बेजोस के पास 136 बिलियन डॉलर की संपत्ति है.

टेक कंपनियों पर लगाम! अब न्यूज दिखाने पर मीडिया संस्थानों से शेयर करना होगा मुनाफा

नई दिल्ली ,17 जुलाई 2022। मीडिया हाउस के लिए एक अच्छी खुशखबरी है। टेक कंपनियों पर लगाम कसने के लिए अब केंद्र सरकार मीडिया हाउस के कंटेंट का इस्तेमाल करने पर भुगतान को लेकर ढ्ढ्ञ कानून लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इस तरह का कानून ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और फ्रांस में पहले से लागू है।

बता दें कि टेक कंपनियों और मीडिया हाउस के बीच रेवेन्यू लेकर दुनियाभर में लंबे समय से विवाद है। डिजिटल मीडिया और न्यूज पब्लिशर्स का कहना है कि त्रश्शद्दद्यद्ग और स्नड्डष्द्गढ्ढश्शद्म जैसी दिग्गज टेक कंपनियां सोर्स के तौर पर उनका कंटेंट इस्तेमाल करती हैं। इससे कंपनियों को तगड़ा मुनाफा होता है लेकिन मीडिया हाउस को इसके बदले में भुगतान नहीं किया जाता। इस मामले में अब सरकार भी एक्टिव हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार कानून लागू करने पर गहनता से विचार कर रही है। इसके बाद त्रश्शद्दद्यद्ग, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियां अपना मुनाफा ओरिजनल कंटेंट प्रोवाइडर को बाटेंगी जिससे मीडिया कंपनियों को बढ़िया मुनाफा होगा।

वहीं इस बारे में केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कानून के मुताबिक भारतीय मीडिया हाउस की रक्षा करने की जरूरत है। भारत ऐसा पहला देश नहीं है, जो इस तरह के कानून पर काम कर रहा है। कई देश पहले ही ये कर चुके हैं। दुनिया भर की सरकारें टेक कंपनियों के बिजनेस मॉडल को लेकर सजग हो रही हैं। इन कंपनियों का बिजनेस मॉडल मीडिया हाउस और पब्लिशर्स के लिए नुकसानदायक रहा है।

धुंधला दिखना या त्वचा की दिक्कतें,इस विटामिन की कमी का हैं संकेत,ज्यादातर लोगों के आहार में इसकी कमी

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने और अंगों को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए नियमित रूप से विटामिन्स और पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना स्वस्थ और पौष्टिक चीजों के सेवन की सलाह देते हैं। शरीर के लिए आवश्यक ज्यादातर पोषक तत्व हरी सब्जियों-मौसमी फलों से प्राप्त किए जा सकते हैं। हालांकि खान-पाने में गड़बड़ी के कारण ज्यादातर लोगों में कई तरह के विटामिन्स की कमी की समस्या देखी जाती रही है।

क्या आपको भी कम उम्र से ही आंखों से संबंधित समस्या जैसे कम दिखाई देने, धुंधलापन या भी त्वचा में रूखेपन जैसी दिक्कतें हो रही हैं? इस तरह की दिक्कतों के लिए विशेषज्ञ विटामिन-ए की कमी को प्रमुख कारण के तौर पर देखते हैं। दुर्भाग्यवश ज्यादातर लोगों को दैनिक आहार से विटामिन-ए की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल पाती है जिसके कारण इस तरह की समस्याओं का खतरा हो सकता है। आइए जानते हैं कि विटामिन-ए की कमी से किस तरह से हमारे लिए खतरा हो सकता है, साथ ही इसके लिए किन चीजों का सेवन करना आवश्यक माना जाता है?

विटामिन-ए की कमी से होने वाली समस्याएं

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक विटामिन-ए की कमी को बचपन में होने वाले संक्रमण के कारण मृत्यु के जोखिमों के लिए प्रमुख कारक के तौर पर जाना जाता है। यह विटामिन आंखों की सेहत के लिए बहुत आवश्यक है, ऐसे में जिन बच्चों में इसकी कमी होती है उन्हें चश्मा लगाने की जरूरत हो सकती है।

विटामिन-ए की कमी मातृ मृत्युदर और गर्भावस्था के दौरान होने वाली कई तरह की समस्याओं के लिए भी जिम्मेदार मानी जाती है। आंखों और त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए सभी लोगों को आहार में इस विटामिन वाली चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

आंखों से संबंधित समस्या

विटामिन-ए की कमी का सबसे आम लक्षण आंखों में होने वाली समस्याएं है। इसके कारण धुंधला दिखाई देने, आंखों में सूखापन और गंभीर मामलों में कॉर्निया को होने वाली क्षति से लेकर अंधेपन तक की भी समस्या हो सकती है। रतौंधी नामक आंखों की एक बीमारी के लिए भी इसकी विटामिन की कमी को प्रमुख कारक के तौर पर जाना जाता है। सभी उम्र वालों के लिए आहार के माध्यम से इसका सेवन करना आवश्यक है।

त्वचा से संबंधी समस्याएं

आंखों की समस्याओं के अलावा विटामिन-ए की कमी के कारण आपमें त्वचा से संबंधित दिक्कतों का भी खतरा बढ़ जाता है। जब आपके शरीर को पर्याप्त विटामिन-ए नहीं मिलता है, तो यह त्वचा की कोशिकाओं की मरम्मत करने में सक्षम नहीं हो पाता है। ऐसे में विटामिन-ए की कमी वाले लोगों में एक्जिमा या त्वचा में सूखेपन की समस्या काफी सामान्य देखने को मिलती है। ऐसे लक्षणों को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए।

विटामिन-ए की आवश्यकता और आहार

आहार विशेषज्ञों के मुताबिक वयस्क पुरुषों को 900 माइक्रोग्राम और वयस्क महिलाओं को रोजाना 700 माइक्रोग्राम की मात्रा में इस विटामिन के सेवन की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञ इसे सप्लीमेंट्स की जगह आहार के माध्यम से प्राप्त करने की सलाह देते हैं। विटामिन-ए की प्राप्ति के लिए पत्तेदार हरी सब्जियां (केल, पालक, ब्रोकली), नारंगी और पीली सब्जियां (गाजर, शकरकंद, कद्दू), टमाटर, लाल शिमला मिर्च, खरबूजा, आम, दूध और अंडे का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है।

झड़ते बालों की समस्या से चाहते हैं छुटकारा ? अपनाएं ये पांच तरीके

पुरुषों और महिलाओं के लिए बालों का झड़ना एक आम समस्या बनकर रह गई है और यह हार्मोनल परिवर्तन, आनुवंशिकता, तनाव और बीमारियों सहित कई कारणों से आपको घेर सकती है। इस समस्या से बचने के लिए लोग कई तरह महंगे-महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स भी इस्तेमाल करने लगते हैं, फिर भी उन्हें बेहतर परिणाम नहीं मिलता। हालांकि, आप चाहें तो अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करके और अपने बालों की उचित देखभाल करके उन्हें झड़ने से बचा सकते हैं।

हीट स्टाइलिंग हेयर टूल्स से बनाएं दूरी

कर्लिंग आयरन, ब्लो ड्रायर और स्ट्रेटनर जैसे हीट स्टाइलिंग हेयर टूल्स के इस्तेमाल से बालों के झड़ने का खतरा बढ़ सकता है। दरअसल, इनका बार-बार इस्तेमाल करने से आपके स्ट्रैंड्स से नमी दूर होने लगती है, जिससे वे शुष्क और बेजान हो सकते हैं। ऐसे बाल आसानी से टूट सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप ऐसे हेयर टूल्स से बनाकर रखें, लेकिन अगर कभी आप इनका इस्तेमाल करें तो उससे पहले अपने बालों पर हीट प्रोटेक्टेंट जरूर लगा लें।

जल्दबाजी में न करें कंघी

जल्दबाजी में कंघी करने से बाल काफी तेजी से खिंचते हैं और उनकी जड़ें कमजोर होने लगती हैं। जड़ें कमजोर होने की वजह से बाल काफी ज्यादा टूटने लगते हैं। इसलिए अपने बालों को समय दें और उन्हें धीरे-धीरे कंघी करें। इसके अलावा, बालों को कंघी करने के लिए प्लास्टिक की बजाय लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल करें क्योंकि प्लास्टिक की कंघी से बालों को नुकसान पहुंचता है।

माइल्ड शैंपू का करें इस्तेमाल

शैंपू करने से स्कैल्प से अतिरिक्त तेल और गंदगी को खत्म करने में मदद मिलती है। हालांकि, अपने बालों को अधिक धोने से बचें क्योंकि शैंपू में मौजूद सल्फेट्स और कई अन्य तत्व आपके बालों को घुंघराला, सूखा और नाजुक बना सकते हैं, जिससे बाल झड़ सकते हैं। बेहतर होगा कि आप हफ्ते में दो बार किसी माइल्ड शैंपू से अपना सिर धोएं। इसके लिए सल्फेट-फ्री और ऑर्गेनिक शैंपू का इस्तेमाल करना अच्छा है।

एसेंशियल ऑयल्स से अपने सिर की मालिश करें

तनाव एक बहुत बड़ा कारण है, जिसके कारण बालों के झड़ने की समस्या बढ़ सकती है। चिंता और तनाव से छुटकारा पाने के लिए रोजाना कुछ मिनट मेडिटेशन का अभ्यास करें और कुछ एसेंशियल ऑयल्स से सिर की मालिश करें क्योंकि ये आपके दिमाग को शांत करेक तनाव जैसे मानसिक विकारों से राहत दिला सकते हैं। रोजमेरी या लैवेंडर आवश्यक तेल से अपने सिर की मालिश करें।

तौलिये का गलत इस्तेमाल करना

अगर आप गीले बालों को तौलिये से रगड़कर लपेट लेते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती है जो बालों के झड़ने का मुख्य कारण हो सकती है। इसलिए गीले बालों को सुखाने के लिए न तो उन्हें तौलिये से रगड़ें और न ही लपेटें। दरअसल, इससे बालों की जड़ नरम हो जाती हैं और फिर जब आप कंघी करते हैं तो बाल झड़ने लगते हैं। इसी तरह बालों को तौलिये से झाड़-झाड़ कर भी न पोंछें।

सेंसिटिव स्किन है तो घर में बनाएं बॉडी वॉश,बस इन चीजों की है जरूरत

साबुन से स्किन ड्राई हो जाती है। ऐसे में बॉडीवॉश इन दिनों काफी ज्यादा आने लोग इस्तेमाल करने लगे हैं। वहीं मार्केट में कई तरह के बॉडीवॉश आते हैं। लेकिन अगर आपकी स्किन सेंसटिव है तो कोई भी बॉडीवॉश आप नहीं इस्तेमाल कर सकतीं। अगर आप सेंसटिव स्किन को बचाना चाहती हैं। तो घर में बने बॉडीवॉश को भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इन्हें बनाना काफी आसान है और ज्यादा चीजों की जरूरत भी नहीं होती। तो चलिए जानें कौन सी चीजों से घर में ही बॉडीवॉश तैयार किए जा सकते हैं।

ऐलोवेरा बॉडीवॉश

साबुन हो या फिर बॉडीवॉश उनमे ऐलोवेरा एक्स्ट्रैक्ट डला होता है। आप चाहें तो अपनी सेंसिटिव स्किन के लिए ऐलोवेरा जेल से बॉडीवॉश बना सकती हैं। इसे बनाने के लिए जरूरत होगी ऐलोवेरा जेल, ग्लिसरीन, शहह। बॉडी वॉश बनाने के लिए दो चम्मच ग्लिसरीन, एक चम्मच शहद और आधा कप ऐलोवेरा जेल को मिलाकर रख लें। इसे नहाते समय आप पूरे बॉडी पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। दस मिनट तक मसाज करने के बाद बॉडी को पानी से साफ कर लें। ये बॉडी वॉश आप चेहरे पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

सेंसिटिव स्किन वालों को कई तरह के बॉडीवॉश को इस्तेमाल करने से इरिटेशन और जलन होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि पहले से ही देखभाल कर किसी तरह के बॉडीवॉश को चेहरे पर लगाएं।

अगर स्किन ड्राई होने के साथ ही एक्ने वाली है। और सेंसिटिव है। तो ऐसे लोगों को शहद और ऑलिव ऑयल को मिलाकर बॉडीवॉश तैयार करना चाहिए। इसे बनाने के लिए मार्केट से लिक्विड कैस्टाइल सोप ले। इसमे ऑलिव ऑयल और शहद के साथ आप सुगंध के लिए एसेंसियल ऑयल की कुछ बूंदे भी डाल सकती हैं। इसे लगाने से स्किन ड्राई नहीं होगी। और बॉडी क्लीन हो जाएगी। आप इस बॉडीवॉश को बनाकर शीशी में रख लें और हर बार नहाते समय इस्तेमाल में लाएं।

CMYK

इंडिगो फ्लाइट की कराची में इमरजेंसी लैंडिंग

शारजाह से हैदराबाद आ रहा था विमान

कराची, 17 जुलाई 2022। यूएई के शारजाह से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पाकिस्तान के कराची में इमरजेंसी लैंडिंग की गई। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं इंडिगो एयरलाइंस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पायलट द्वारा विमान में तकनीकी खराबी देखे जाने के बाद, एहतियात के तौर पर विमान को पाकिस्तान के कराची की ओर मोड़ दिया गया। यात्रियों को हैदराबाद ले जाने के लिए कराची के लिए एक अतिरिक्त उड़ान भेजी जा रही है। बता दें दो सप्ताह में कराची में उतरने वाली यह दूसरी भारतीय एयरलाइन है।

इससे पहले कराची में ही स्पाइसजेट विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी

बता दें कि इससे पहले पांच जुलाई को दिल्ली से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की स्त्र-11 फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पाकिस्तान के कराची

में ही इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने घटना की जानकारी देते हुए बताया था कि संकेतक लाइट में तकनीकी खराबी के कारण स्पाइसजेट क्क737 विमान को कराची की ओर मोड़ दिया गया। विमान कराची में सुरक्षित उतर गया और यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया।

14 जुलाई को इंडिगो फ्लाइट की जयपुर में की गई थी इमरजेंसी लैंडिंग

वहीं इससे पहले 14 जुलाई की शाम को दिल्ली से वडोदरा जा रही इंडिगो फ्लाइट की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। बताया गया था कि विमान में कुछ तकनीकी खराबी आई थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर इसकी आपात लैंडिंग कराई गई। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में भारत में कई फ्लाइट्स को आपात तौर पर उतारे जाने की खबरें आ चुकी हैं।

बांग्लादेश में फिर हिंदुओं पर हमला, मंदिर में तोड़फोड़; घर में लगाई आग

ढाका , 17 जुलाई 2022। बांग्लादेश में फिर से हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यहां के नराइल के लोहागरा इलाके में हिंदुओं के घर पर हमला किया गया, वहीं एक घर में आग भी लगाई गई। बताया जा रहा है कि भीड़ ने एक मंदिर में भी तोड़फोड़ की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया, मामला एक हिंदू युवक द्वारा की गई फेसबुक पोस्ट से जुड़ा हुआ है। युवक द्वारा की गई पोस्ट से भीड़ नाराज हो गई और हिंदुओं के घरों पर हमला बोल दिया। भीड़ फेसबुक पोस्ट करने वाले युवक के घर में घुस गई और आग लगा दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की।

अभी तक गिरफ्तारी नहीं

नराइल के पुलिस अधीक्षक ने बताया, कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया घटना की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जेद्दा शिखर सम्मेलन, नेताओं ने एक समृद्ध क्षेत्र के प्रति हांमी भरी

रियाद , 17 जुलाई 2022। सुरक्षा और विकास पर आधारित अरब देशों के जेद्दा शिखर सम्मेलन में भाग लिए हुए वैश्विक नेताओं ने एक समृद्ध और शांतिपूर्ण क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण की पुष्टि की।

इस शिखर सम्मेलन में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य देश, जॉर्डन, मिस्र, इराक और अमेरिकी नेताओं ने भाग लिया। जिन्होंने कार्यक्रम के बाद एक संयुक्त बयान में इस क्षेत्र में तनाव को कम करने के लिए सभी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करने पर सहमति व्यक्त की।

इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी यहां पहुंचे हुए थे और उनकी यह उपस्थिति मिडिल ईस्ट के लिए अपनी रणनीति तैयार करने और इस क्षेत्र से अमेरिकी संबंधों को मजबूत करने को दिखाता है।

संयुक्त बयान में क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने, सहयोग करने, साथ में मिलकर यहां का विकास करने, बाहरी खतरों से मिलकर निपटने, अच्छे पड़ोसी बनकर रहने, एक-दूसरे का सम्मान करने, संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का पालन करने के लिए सभी आवश्यक उपाय अपनाए जाने के महत्व पर जोर दिया गया।

राष्ट्रपति बाइडेन ने भी इस दौरान ने मध्य पूर्व में न्यायसंगत, स्थायी और व्यापक शांति हासिल करने के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

जी-20 वित्त प्रमुखों से विश्व आर्थिक सुधार लक्ष्यों पर ध्यान देने का आग्रह

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी हुई बात

नुसा दुआ, 17 जुलाई 2022। इंडोनेशिया ने शनिवार को जी-20 के वित्त मंत्रियों से वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए अपने लक्ष्यों पर ध्यान देने का आग्रह किया। लेकिन सूत्रों ने कहा कि बाली में बैठक की समाप्ति औपचारिक विज्ञप्ति के बिना ही होने की संभावना है। इसका एक कारण यूक्रेन में रूस का युद्ध जारी रखना है।

इस मामले से परिचित दो सूत्रों ने कहा कि दो दिनी आयोजन की मेजबानी कर रहे इंडोनेशियाई वित्तमंत्री मूल्यानी इंद्रावती से उम्मी की जा रही है कि वे बैठक का सारांश देते हुए अध्यक्षीय बयान जारी करेंगी। एक सूत्र ने कहा, हम विज्ञप्ति की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी व कनाडाई वित्तमंत्री जेनेट येलेन व क्रिस्टिया फ्रीलैंड समेत वरिष्ठ पश्चिमी राजनयिकों ने शुक्रवार को युद्ध की निंदा की और युद्ध के कारण बड़े पैमाने पर आर्थिक गिरावट के लिए रूसी अधिकारियों को फटकार लगाई।

भारतीय-अमेरिकी नौरीन हसन यूबीएस अमेरिका की अध्यक्ष

भारतीय मूल की अमेरिकी नरीन हसन को स्विट्जरलैंड की दिग्गज वित्तीय कंपी यूबीएस ने कंपनी की अमेरिकी अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह अमेरिका में यूबीएम होल्डिंग की सीईओ भी होंगी। हसन इस साल अक्तूबर में पद ग्रहण करेंगी। इस समय वह न्यूयॉर्क स्थित संघीय बैंक में कार्यरत हैं। अपनी नई भूमिका में वह टॉम नारटिल की जगह लेंगी।

रिपुदमन की हत्या से जुड़ी कार का फुटेज जारी, होमिसाइड यूनिट ने कहा-सच सामने आएगा

टोरंटो, 17 जुलाई 2022। कनाडा में हत्या के मामलों की जांच करने वाली शीर्ष एजेंसी होमीसाइड युनिट ने रिपुदमन मलिक की हत्या से जुड़ी एक कार की वीडियो फुटेज जारी की है। जांचकर्ता फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि रिपुदमन की हत्या किसने और क्यों की है?

कनाडा के अखबार टोरंटो सन के मुताबिक, इंटीग्रेटेड होमीसाइट इन्वेस्टिगेशन टीम (आईएचआईटी) ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें सफेद रंग की कार को पैपिलन ईस्टर्न इम्पोर्ट्स के पार्किंग क्षेत्र में घुसते हुए देखा जा सकता है। कार के अंदर कई लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस कंपनी की स्थापना मलिक ने 1970 में की थी। आईएचआईटी के सार्जेंट डेविड ली ने बताया कि कार 122ए स्ट्रीट पर 82 एवेन्यू के पास जली हुई मिली है।

कनिष्क बम विस्फोट मामला क्या था?

घटना 23 जून 1985 की है। एयर इंडिया की फ्लाइट 182 ने मॉन्ट्रियल से लंदन के लिए उड़ान भरी। इसे नई दिल्ली जाना था। एयर इंडिया का यह विमान एक बोइंग 747 जंबो जेट था। जिसे सम्राट कनिष्क के नाम पर कनिष्क नाम दिया गया था। वैंकूवर में एक सूटकेस कार्गो में चेक इन किया गया। इस सूटकेस में बम रखा हुआ था। विमान आयरिश हवाई क्षेत्र में था। तभी एक जोरदार धमाका हुआ। जमीन से 31 हजार फीट की ऊंचाई पर हुए इस धमाके में विमान सवार 22 क्रू मेंबर और सभी 307 यात्री मारे गए। इनमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक मारे गए। कनाडाई नगारिकों में कई भारतीय मूल के लोग भी थे। धमाके के मारे गए लोगों में से केवल 132 शव ही बरामद किए जा सके थे। बाकी 197 शवों का पता तक नहीं चल पाया।

इस हमले के जिम्मेदार लोग कौन थे?

कनाडा और भारतीय जांच में पता चला कि इस बम धमाके की योजना बनाने का काम और उसका क्रियान्वयन कनाडा में रहने वाले सिख अलगावादियों ने किया था। ये अलगावादी पंजाब में सक्रिय उग्रवादियों के निर्देश पर काम कर रहे थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि बम धमाकों को आतंकवादी समूह बब्बर खालसा ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए अंजाम दिया था।

मामले में किन लोगों को आरोपी बनाया गया?

इस बम धमाके के मामले में तीन लोग मुख्य आरोपी बनाए गए। इनमें रिपुदमन सिंह मलिक के साथ इंद्रजीत सिंह रेयात और अजब सिंह बागरी शामिल थे। ये तीनों ही भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के सदस्य इंदरजीत सिंह रेयात को जांच के बाद दोषी पाया गया। उसे 15 साल की सजा हुई। वहीं, रिपुदमन सिंह मलिक और अजब सिंह बागरी को जांच के बाद बरी कर दिया गया।

दुनिया को थिरकाते हुए गंगनम स्टाइल के हुए 10 साल,एक अरब दर्शक बटोरने वाला पहला वीडियो

सोल, 17 जुलाई 2022। एक दशक पहले पूरी दुनिया को अपनी धुन पर थिरकाने वाले %ओप्पन गंगनम स्टाइल% गाने ने शुक्रवार को 10 साल पूरे कर लिए। 15 जुलाई 2012 को जब दक्षिण कोरियाई गायक और रैपर साइ ने इस गाने का वीडियो रिलीज किया, तो वे चंद दिनों के भीतर ही वैश्विक संगीत जगत में सनसनी बन गए थे।

नीले रंग का सूट पहने, चश्मा लगाकर घुड़सवारी वाले अंदाज में नाचते हुए इस गायक ने बच्चों-बड़ों तक को मोह लिया। फेसबुक यूजर्स की टाइम लाइन पर सिर्फ साइ छाए रहते थे। लोगों को तीन शब्दों %ओप्पन गंगनम स्टाइल% के अलावा पूरा गाना भले समझ नहीं आता था, लेकिन इसे हर शादी-पार्टी में डीजे पर बजाया जाने लगा। इसने लोगों के मोबाइल की कॉलर ट्यून में जगह बना ली। गंगनम स्टाइल की लोकप्रियता का आलम यह रहा कि यूट्यूब पर एक अरब दर्शक बटोरने वाला दुनिया का यह पहला वीडियो बना।

उत्तरी मैसेडोनिया समझौते के लिए हुआ तैयार, यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए वार्ता का मार्ग प्रशस्त

स्कोप्जे ,17 जुलाई 2022। उत्तर मैसेडोनिया के प्रधानमंत्री दिमितार कोवासेवस्की ने घोषणा की है कि बुल्गारिया के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद को लेकर वह एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जो उनके लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता वार्ता शुरू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

बुल्गारिया यूरोपीय संघ का सदस्य पहले से ही है। उत्तर मैसेडोनिया के साथ भाषा संबंधी और ऐतिहासिक मुद्दों पर विवाद के कारण उसने अब तक इस तरह की किसी भी वार्ता के होने को रोक लगा रखा था।

लेकिन पिछले महीने, बुल्गेरियाई प्रतिनिधियों ने यूरोपीय संघ की गारंटी के साथ इस आधार पर उस वीटो को हटाने पर अपनी मंजूरी दे दी है कि उत्तर मैसेडोनिया संबंधित मुद्दों पर अपनी मांगों को पूरा करेगा।

इससे पहले, स्कोप्जे में संसद ने उत्तर मैसेडोनिया की भाषा और पहचान की रक्षा के उद्देश्य से वार्ता के लिए एक रूपरेखा को अपनाया था, यह एक ऐसा निर्णय था जिसका ब्रुसेल्स ने स्वागत किया था।

उत्तरी ग्रीस में यूक्रेन का मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त

आठ लोग थे सवार

ग्रीस

यूक्रेन स्थित एयर कैरियर द्वारा संचालित एक मालवाहक विमान शनिवार देर रात उत्तरी ग्रीस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ग्रीस के नागरिक उड्डयन अधिकारियों के मुताबिक, विमान में 8 लोग सवार थे। पायलट ने इंजन में खराबी के कारण आपात लैंडिंग का अनुरोध किया था, लेकिन विमान का सिग्नल खो गया और हादसे का शिकार हो गया।

आठ लोग थे सवार

शनिवार देर रात उत्तरी ग्रीस के कवला शहर के पास आठ लोगों के साथ एक मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दमकल विभाग और राज्य टीवी ने यह जानकारी दी है। स्टेट टीवी ईआरटी ने बताया कि विमान एक यूक्रेनी कंपनी के स्वामित्व वाला एंटोनोव ए - 12 था, जो सर्बिया से जॉर्डन के लिए उड़ान पर था।

ertnews.gr पर अपलोड किए गए वीडियो फुटेज में विमान को आग की लपटों में जमीन से टकराने से पहले तेजी से उतरते हुए दिखाया गया है, जो एक विस्फोट जैसा लगता है। दमकल विभाग विमान के प्रकार की पुष्टि नहीं कर सका, लेकिन कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में आठ लोग सवार थे।

इसने एक बयान में कहा कि दुर्घटना के बाद लगी आग को बुझाने के लिए 15 दमकलकर्मियों और सात इंजनों को तैनात किया गया। और भी बचावकर्मियों को भेजा गया है। विशेष आपदा प्रतिक्रिया इकाई घटनास्थल की जांच कर रही है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हम कार्गो को खतरनाक सामग्री मान रहे हैं।

रूस-यूक्रेन जंग जारी

यह हादसा ऐसे वक्त पर हुआ है जब यूक्रेन और रूस के बीच जंग जारी है। रूस ने यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए हैं और रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेन भी हरसंभव अपनी ओर से रूस को जवाब दे रहा है। यूक्रेन का यह भी दावा है कि उसने रूस के 47 सैनिक मार गिराए हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में शनिवार को दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। एक तरफ जहां रूसी बमवर्षक विमानों ने यूक्रेन के दक्षिणपूर्वी शहर 'दनिप्रो' पर क्रूज मिसाइलें दागीं, जिससे 3 की मौत और 15 घायल हो गए। वहीं, यूक्रेनी सेना ने दक्षिणी यूक्रेन में 47 रूसी सैनिकों के साथ आठ हॉवित्जर तोप व कई सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए।

मोंटाना हाईवे पर एक के बाद एक आपस में टकराई 21 गाड़ियां, 6 लोगों की मौत

लॉस एंजेलिस ,17 जुलाई 2022। अमेरिकी राज्य मोंटाना में एक हाईवे पर धूल भरी आंधी के कारण एक के बाद एक 21 गाड़ियां आपस में टकरा गई, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में कारों के आपस में टकराने के बाद 6 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है, जबकि 8 लोग घायल हुए है, जिन्हें पास के अस्पतालों में ले जाया गया है। मोंटाना अटॉर्नी जनरल ऑस्टिन नुडसेन ने शुक्रवार रात अपने फेसबुक पेज पर लिखा, आज बिग हॉर्न काउंटी में धूल भरी आंधी के दौरान दुखद घटनाओं से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी प्रार्थना है।

ट्विटर डील खत्म करने से पहले दादागिरी पर उतर गए थे एलन मस्क

CEO पराग अग्रवाल को दी थी धमकी

कैलिफोर्निया , 17 जुलाई 2022। टेस्ला कंपनी के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क द्वारा ट्विटर डील खत्म करने के बाद अब कई खुलासे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि मस्क ने डील खत्म करने के पहले ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल को धमकी भरे कई मैसेज भेजे थे। उन्होंने अपने चेतावनी संदेश में पराग को सूचित किया था कि, आपके वकील वित्तीय विवरण के बारे में जानकारी मांगने के बाद परेशानी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें रोक लें नहीं तो अंजाम बुरा होगा। इसके बाद मस्क ने धमकी भरे कई और मैसेज भेजे थे।

ट्विटर ने मस्क के खिलाफ किया मुकदमा

वहीं ट्विटर ने मस्क की ओर से डील रद्द किए जाने पर सवाल खड़ा करते हुए अमेरिका के डेलावेयर कोर्ट (छ्वद्यड्ड2ड्डह्वद्ध ष्थ्ह्वह्ल) में एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ट्विटर के इस कदम के बाद अब अब एलन मस्क ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मस्क ने कंपनी का नाम लिए बिना ही ट्वीट करते हुए ट्विटर पर ही तंज कसा है, मस्क ने लिखा है %ह्लद्ध ह्वद्धद्ग द्बह्म्शठ्ठ4 द्बश्वद्य% (जरा विडंबना देखिए)

ट्विटर ने कोर्ट में की शिकायत

ट्विटर ने कोर्ट में दायर अपनी अपनी शिकायत में कहा-, ÷हम यह कार्रवाई इसलिए कर रहे हैं ताकि मस्क को अपनी कानूनी जिम्मेदारी पूरी करते हुए, कुछ रखी गई शर्तों को मानते हुए इस डील को पूरा करने का निर्देश जारी किया जाए।

एलन मस्क ने आठ जुलाई को डील खत्म करने की घोषणा की थी

बता दें कि एलन मस्क ने आठ जुलाई को 44 बिलियन डॉलर की ट्विटर डील को खत्म करने की घोषणा कर दी थी। मस्क की टीम ने ट्विटर को एक पत्र भेजते हुए लिखा था कि एलन मस्क ट्विटर इंक का अधिग्रहण करने और इसे निजी लेने के अपने 44 बिलियन डॉलर के समझौते को समाप्त कर रहे हैं। पत्र में कहा गया कि एलन मस्क डील को समाप्त कर रहे हैं।

दक्षिणपूर्वी यूक्रेन में क्रूज मिसाइलों से हमले,यूक्रेनी बल ने 47 रूसी मारे

कीव/विनित्सिया , 17 जुलाई 2022। रूस-यूक्रेन युद्ध में शनिवार को दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। एक तरफ जहां रूसी बमवर्षक विमानों ने यूक्रेन के दक्षिणपूर्वी शहर 'दनिप्रो' पर क्रूज मिसाइलें दागीं, जिससे 3 की मौत और 15 घायल हो गए। वहीं, यूक्रेनी सेना ने दक्षिणी यूक्रेन में 47 रूसी सैनिकों के साथ आठ हॉवित्जर तोप व कई सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए।

रूस का सैन्य अभियान मुख्य रूप से यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र दोनबास पर केंद्रित है लेकिन रूसी सेना कई अन्य यूक्रेनी क्षेत्रों पर भी बमबारी कर रही है। रूस का मकसद यूक्रेनी नेताओं का मनोबल तोड़ना है।

यूक्रेनी वायुसेना ने कहा, टीयू-95एमएस बमवर्षक विमानों के जरिये दनिप्रो स्थित एक फैक्टरी पर कई क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। इनमें से चार मिसाइलों को यूक्रेन ने रोका लेकिन अन्य ने काफी बड़े क्षेत्र को तबाह किया। इसमें 3 लोग मारे गए हैं। उधर, यूक्रेनी सेना ने भी इस सप्ताह 47 रूसी सैनिकों को मारने का दावा किया। ऑपरेशनल कमांड साउथ ने कहा, हमारे विमानों पर दुश्मन ने लड़ाकू जेट व हवा से हवा में मारने वाली मिसाइलों से हमला किया, लेकिन यूक्रेन ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है।

रूसी टैंक, बख्तरबंद गाड़ियां व तोपें नष्ट

यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी सेना ने हाल ही में रूस के दो केए-52 हेलीकॉप्टर तबाह कर दिए। हालांकि रूसी सेना ने काखोवका क्षेत्र में हमारे सशस्त्र बलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की लेकिन ज्यादा क्षति नहीं कर पाए। जबकि यूक्रेनी बलों द्वारा दुश्मन की छह हॉवित्जर तोपें, एक टी-62 टैंक, 8 बख्तरबंद गाड़ियां और 14 वाहन नष्ट कर दिए गए।

मनीषा जायसवाल पशु चिकित्सा अधिकारी चयनित

प्रदेश में दूसरा स्थान रहा

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर.,17 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जिले के लटोरी ब्लॉक के गंगापुर की मनीषा जायसवाल ने पशुधन विकास विभाग के पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ के लिए अंतिम चयन परिणाम में पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है. उल्लेखनीय है कि 60 पदों के लिए 235 आवेदनों में साक्षात्कार के उपरांत मनीषा जायसवाल ने ओबीसी वर्ग में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर

जिले का नाम रौशन किया है. उनके चयन पर परिवार सहित परिजनों व गांव में हर्ष का वातावरण है. वे पीडब्ल्यूडी में इंजीनियर के पद पर पदस्थ दिनेश जायसवाल व श्रीमती सोनामती की सुपुत्री है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता सहित गुरुजनों को दी है।

कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर में छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर.,17 जुलाई 2022(घटती-घटना)। आज दिनांक 16जुलाई 2022 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर.एस. सिंह के निर्देशन में एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व पूर्व माध्यमिक शाला सूरजपुर में 600 स्कूली बच्चों स्वास्थ्य परीक्षण चिरायु टीम के डॉक्टर सी, पी, मिश्रा व डॉक्टर सीमा जयसवाल के नेतृव में किया गया जिसमे नेत्र परीक्षण नेत्र चिकित्सा सहा. अधिकारी मारूतीनंदन चक्रधारी द्वारा किया गया। जिसमें 20 दृष्टिदोष, 01 स्क्विंट तथा 08 छात्रों जिला चिकित्सालय सूरजपुर जांच हेतु रिफर किया गया द्य इसी के साथ बच्चों को स्वास्थ्य शिक्षा के साथ बच्चों का वजन ,हाइट इत्यादि की जांच की गई द्य इस कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य मैडम चिरायु टीम के फार्मासिस्ट रूपनारायण यादव, सिस्टर अनिता प्रजापति व विद्यालय के शिक्षक छात्रों का सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

2000 कर्मचारियों को लगा कोविड बूस्टर डोज

-नगर संवाददाता-

कोरबा ,17 जुलाई 2022(घटती-घटना)। बालको संयंत्र में कोविड बूस्टर डोज टीकाकरण प्रारंभ हुआ। वही वैक्सीन महाअभियान को सफल बनाते हुए बालको संयंत्र में दो दिन के भीतर 2000 अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों को बूस्टर डोज लगाया गया। बालको के कोविड-19 टीकाकरण अभियान से कोरबा में महामारी नियंत्रण में मजबूती मिलेगी। वही चुनौतीपूर्ण समय में बालको परिवार के सदस्यों और क्षेत्रीय नागरिकों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई गई है। वही बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री पति ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बूस्टर डोज महाअभियान से कर्मचारियों को कोरोना वायरस के दुष्प्रभावों से बचने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड-19 से बचाव और उसके प्रति जागरूकता के लिए बालको प्रबंधन ने व्यापक पैमाने पर अभियान संचालित किए हैं। वही बालको परिवार के सभी सदस्यों का टीकाकरण अभियान लगातार जारी है। श्री पति ने कहा कि कोविड अप्रोप्रिएट बिहैवियर से ही इस महामारी से बचाव संभव है।

टीएस सिंह देव के इस्तीफे से सरगुजा की राजनीति में भूचाल

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सरगुजा महाराज व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंह देव के इस्तीफे के बाद सरगुजा की राजनीति में भूचाल आ गया है और टीएस के समर्थक उनसे मिलने के लिए बेचैन हो उठे है।समूचे सरगुजा सम्भाग से उनके समर्थक अम्बिकापुर स्थित तपस्या पहुँच रहे है जहाँ उंसके मुलाकात कर उनके साथ खड़े रहने की बात कर रहे है। इस कड़ी में जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी मरावी, पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हरि यादव, शिव भजन सिंह मरावी सहित क्षेत्र के कई कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की।जिस पर श्री सिंहदेव ने जहां क्षेत्र की समस्याएं जानी वही कृषि के सम्बंध में भी जानकारी ली।इसके आलावे कार्यकर्ताओ ने हर स्थिति में उनके साथ रहने की प्रतिबद्धता दोहराई।इस दौरान पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बिंदेश्वर शरण सिंह देव, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष शिवभजन सिंह मरावी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी थी।

पुलिस अधीक्षक के बदलते ही चिरमिरी क्षेत्र में कबाड़ के कारोबार पर लगा विराम,कब तक रहेगा विराम ?

» कबाड़ियों और उनके सहयोगियों के लगातार सक्रियता से क्षेत्र के आम जनमानस में फैली थी दहशत।
» चिरमिरी क्षेत्र अवैध कारोबार का गढ़ बना हुआ है और इस गढ़ में अवैध कबाड़ कारोबारियों को जनप्रतिनिधियों के संरक्षण का आरोप।
» बंद खदानों व एसईसीएल के खड़े बसों के आधा से ज्यादा लोहे हो गए चोरी।
» प्रतिदिन कबाड़ियों की लोहा चोरी की वजह से एसईसीएल को हो चुका है काफी नुकसान।
» क्षेत्र की पुलिसिया कार्यप्रणाली पर लग रहे सवालिया निशान आखिर किसके आदेश से फिर कबाड़ का कार्य होता है प्रारंभ ?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र कि वर्षो से बंद पड़ी कोयला खदानों में लोहा चोरी का सिलसिला पिछले कई महीनो से फल फूल रहा था दिनों से बेरोकटोक कबाड़ चोरी हो रही थी जिसके चलते क्षेत्र और बाहर से आए हुए अवैध काम को अंजाम देने वाले की संदिग्ध व्यक्तियों संदिग्ध गतिविधियों को देख कर आम जनमानस में भय व्याप्त हो गया है बताया जाता है कि पिछले तीन चार महीने से कबाड़ पूरी तरह से बंद कर दिया गया था किंतु आखिर ऐसी कौन सी वजह हुई की पूरे चिरमिरी क्षेत्र के विभिन्न कोयला खदानों से बड़े पैमाने पर लोहा तांबा पीतल बेल्ट कटिंग का कार्य पूरे चिरमिरी इलाके में दिन-रात बड़ी सक्रियता से प्रारंभ हो गया है और सड़क दफाई स्थित एक गोदाम में स्टोर कर रायपुर तरफ भेजा जाने लगा है। फिलहाल नए पुलिस अधीक्षक आने पर यह काम बंद किया गया है पर यह काम कितना दिन बंद होगा यह पता नहीं क्योंकि जब भी पुलिस अधीक्षक आते हैं तो कुछ दिनों के लिए काम बंद हो जाता है, फिर धीरे से काम शुरू हो जाता है इसके पीछे की वजह क्या है? यह तो पुलिस ही जाने और कारोबारी जो इस काम में संलिप्त हैं वह ना जाने कि आखिर ऐसी कौन सी उपहार देते हैं कि उन्हें काम करने की अनुमति मिल जाती है और फिर दिनदहाड़े बेरोकटोक व बेखोप काम शुरू कर देते हैं अब देखना होगा कि यह काम पूरी तरह बंद रहेगा या फिर कुछ दिनों बाद फिर शुरू हो जाएगा?

उल्लेखनीय है कि बीते तीन-चार महीनों से चिरमिरी इलाके में स्थित चर्चित कबाड़ीयों की दुकान बंद हो गई थी, तेराजू उतार दिए गए थे, लेकिन पिछले दो-तीन दिनों से पूरे इलाके में कार्यरत लगभग सभी कबाड़ी और उनके शागिर्द पुनः चोरी में सक्रिय हो गए हैं सड़क दफाई भैंसा दफाई में तराजू फिर से टांग दिए गए हैं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 2 दिनों से 3 ट्रक लोहा लगभग 60-70 टन रायपुर भेजा जा चुका है लोहा चोरी में पिछले 25 वर्षो से संलिप्त चचवा गैंग की रात दिन पिकअप जीप पर अंजन हिल बरतूगा मेगा प्रोजेक्ट, चिरमिरी खुली खदान कोरिया स्टोर कोरिया के लगभग सभी बंकर जिला पानी में बंकर वेस्ट चिरमिरी स्थित बंद पड़ी कोयला खदानों के बंकर और बेशकीमती अन्य मशीनें काटकर स्टोर में जमा किया जा रहा है इन अवैध कारोबारियों के 1 दर्जन से अधिक मालवाहक गाड़ियां और उन पर कई दर्जनों लोग सवार होकर दिन-रात अपने कार्य को अंजाम दे रहे हैं वही जिम्मेदार प्रशासन इन सभी अवैध गतिविधियों पर अंकुश न लगा कर उन पर कार्यवाही करने के बजाए खुली संरक्षण दे रहा है, वही अपराधी पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं।

बताया जाता है कि एसइसीएल प्रबंधन भी अपने बेशकीमती उपकरणों और लोह सामग्रियों के संरक्षण के लिए अपने सुरक्षाकर्मियों सहित देश की अन्य सुरक्षाकर्मियों को भी भारी भरकम पेमेंट देकर अपने खदानों और बेशकीमती मटेरियल की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है मिली जानकारी के अनुसार इन सुरक्षाकर्मियों की भी स्थिति संदिग्ध है कहीं ना कहीं इस अनैतिक कार्य में इनकी भी सहमति होती है जो क्षेत्र में बड़ा जन चर्चा का विषय है यही कारण है कि कबाड़ी अपनी इच्छा के मुताबिक पूरे चिरमिरी क्षेत्र की कोयला खदानों को अपना चारागाह बनाये हुए है और करोड़ों रुपए की संपत्ति को लूट कर प्रबंधन को खोखला कर रहे है वही कालरी प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारी अपनी बेशकीमती सामग्रियों के संरक्षण के बजाय आपस में एक दूसरे को दोषारोपण कर मामले को ठोस कार्यवाही करवाने के बजाय एक दूसरे पर दोषारोपण करते हुए नजर आते हैं खबर यह भी है कि यदि पुलिस प्रशासन इन लोहा चोरी करने वाले कबाडियो की गाड़ियों को जप्त करता है तो प्रबंधन का कोई भी अधिकारी रिपोर्ट करने को भी तैयार नहीं होता और नहीं एसईसीएल प्रबंधन का कोई मैनेजर यह मानने को तैयार नहीं होता कि यह माल उनके कालरी का है यही कारण है कि इन कबाड़ियो के हौसले और बुलंद हो चलें कहीं ना कहीं इन कबाड़ियो की संदिग्ध गतिविधियों पर प्रबंधन के अधिकारियों की भी संलिप्तता प्रतीत होती है, करोड़ों रुपए के बेशकीमती कलपुर्जे लोहे पीतल तांबा एवं अन्य सामग्रियां चोरी होती हैं लेकिन कोयला कंपनी का कोई भी अधिकारी इस अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपनी तरफ से कोई प्रयास नहीं करता है। बीते कुछ माह पहले क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि ने थाने में स्वयं पहुंचकर कबाड़ जुआ सट्टा कोयला चोरी की अवैध गतिविधि बढ़ जाने के कारण उस पर अंकुश लगाने के लिए एक लिखित शिकायत की थी जिसे तत्काल बंद कराया जाए,, आवेदन के उपरांत पूरे चिरमिरी क्षेत्र में फैले अवैध कारोबार बंद कर दिए गए थे किंतु पिछले दो-तीन दिन से पुनः फिर से प्रारंभ हो जाना, जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों के आवेदन के विरुद्ध पुनः कबाड़ सहित सभी अवैध कार्यो को फिर से चालू करना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

सड़क निर्माण कार्य की मिली स्वीकृति

» भ्रमण के दौरान विधायक की भी गाड़ी नहीं पहुंच सकी थी पहुंचविहीन ग्राम तक।
» पहुंचविहीन ग्राम तक बनेगी पक्की सड़क,विधायक भरतपुर सोनहत ने स्वीकृत कराया निर्माण कार्य।
» ग्राम तक बनेगी पक्की सड़क, अब ना अटकेगी गाड़ियां सिर्फ पहुंचेगीं गाड़ियां: गुलाब कमरों
» बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों हेतु विधायक निधि से 56 लाख 50 हजार मंजूर।
» बीहड़ जंगली इलाकों में रहने वालों का कहना कोई तो उनकी सुध ले रहा।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 17 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ प्रदेश का विधानसभा क्रमांक 1 भरतपुर सोनहत वैसे तो बहोत ही विस्तृत क्षेत्रफल में फैला हुआ है और इसका क्षेत्रफल प्रदेश के सबसे बड़े विधानसभा क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है लेकिन यह विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ होने के अलावा आजतक इस क्षेत्र के कई गांव पहुंचविहीन बने हुए हैं और जहां आज भी आवागमन के लिए सड़क मार्गों की अनुपलब्धता है। क्षेत्र से जो भी विधायक चुना गया सभी ने क्षेत्र में विकास की बात कही और सभी ने यह भरशक बताने का प्रयास किया कि उनके अलावा कोई विकास नहीं कर सकता इसी बिच वायरल हुए एक तस्वीर में विधायक की गाड़ी अटक गई और विधायक के समर्थक सोशल मीडिया में उस फोटो को पोस्ट कर कठिन परिस्थितियों के बावजूद विधायक क्षेत्रों में कर रहे दौरा ऐसा लिखा जिसे लेकर सोशल मीडिया में खूब व फोटो वायरल हुई और विधायक भी आलोचना के शिकार हुए, जिसमें विधायक की स्वयं की ही गाड़ी गंतब्य तक पहुंचने में दिक्कत करती नजर आई और बड़ी मुश्किलों से धक्का मारकर गाड़ी को किसी तरह गंतव्य तक पहुंचाया गया। आज उसी सड़क की लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान प्रदान किया गया है जहां पर विधायक की गाड़ी अटकी थी अब ना अटकेगी, अटकने वाली सड़क की मिली स्वीकृति। सविप्रा उपाध्यक्ष एवं विधायक गुलाब कमरो की अनुशंसा पर भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में विकास योजना अंतर्गत विधायक निधि से विकास कार्यों हेतु 56 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

अविभाजित कोरिया जिले के भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में कोई भी ग्राम अब सड़क विहीन पहुंच विहीन नहीं होंगे आने वाले समय मे क्रमशः हर आबादी के निवास स्थल तक सड़क जाएगी ऐसा कहना है भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरों का। विधायक कमरों के प्रयास से लगातार विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान शासन की तरफ से हो रहा है और अभी हाल ही में उस सड़क के निर्माण की भी स्वीकृति विधायक ने प्रदान कराई है जिस कच्ची सड़क पर स्वयं विधायक की गाड़ी रुक गई थी और उन्हें मोटरसाइकिल से विधानसभा के एक ग्राम में ग्रामवासियों से मुलाकात के दौरान जाना पड़ा था। विधायक कमरों ने ग्राम पहुंचकर जब ग्रामवासियों से मुलाकात की थी तो ग्रामवासियों की मांग थी कि ग्राम तक पक्की सड़क का निर्माण उनकी पहली मांग है और जिसपर विधायक ने जल्द ही सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाने की बात ग्रामवासियों से की थी और उन्होंने अपना वादा पूरा करते हुए ग्राम तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य स्वीकृत करा दिया है। विधानसभा में कोई सड़क कच्ची नहीं होगी,प्रत्येक ग्राम तक पक्की सड़क का निर्माण कराकर ग्रामवासियों को आवागमन की सुविधा प्रदान कराया जाएगा ऐसा प्रयास विधायक कमरों का जारी है।

56 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली

सविप्रा उपाध्यक्ष एवं विधायक गुलाब कमरो की अनुशंसा पर भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में विकास योजना अंतर्गत विधायक निधि से विकास कार्यों हेतु 56 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत राशि से क्षेत्र में बहुप्रतीक्षित विकास कार्य सांस्कृतिक भवन, घाट कटिंग, चबूतरा निर्माण और यात्री प्रतीक्षालय मूर्त रूप लेगा और लोगों को इसका लाभ मिलेगा। विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चरखर के घसियापारा व बूढ़ा देव के पास, ग्राम पंचायत बड़गांवखुद के ग्राम खोखनिया, ग्राम पंचायत ओहनिया के ग्राम पंडरी, ग्राम पंचायत बड़गांवखुर्द में जगदीश के घर के पास, ग्राम पंचायत देवसिल में ठाकुर बाबा के पास, ग्राम पंचायत गढ़वार के पटपरपारा में देवालय के पास, ग्राम पंचायत बरहोरी में झगराखंड मंदिर के पास, ग्राम पंचायत बरौता के ग्राम धनौली में भोलेनाथ मंदिर के पास, ग्राम पंचायत बेला के शिवचर्चा, ग्राम पंचायत हरचोका के शिवचर्चा, ग्राम पंचायत डोंगरीटोला के दुर्गा पंडाल व शंकर मंदिर के पास, ग्राम पंचायत उदकी, ग्राम पंचायत बहरासी के काशीटोला स्थित दुर्गा मंदिर के पास, ग्राम पंचायत पूंजी में देवी मंदिर के पास, ग्राम पंचायत लरकोड़ा के दुर्गा मंदिर के पास, ग्राम पंचायत लाखनटोला के झिरियाटोला में बजरंगबली मंदिर के पास, ग्राम पंचायत बेलगांव के देविहा मंदिर के पास, ग्राम पंचायत भगवानपुर के गोंडपारा, ग्राम पंचायत कोईलरा के ग्राम माथमौर तिराहा, ग्राम पंचायत कंजिया के ज्वालामुखी मंदिर के पास, ग्राम पंचायत केसौड़ा के ग्राम रूसनी तथा हनुमान मंदिर के पास एवं ग्राम पंचायत कुदरा में पृथक-पृथक 1 लाख 50 हजार रूपए सांस्कृतिक शेड निर्माण कार्य हेतु मंजूर किए गए हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बड़गांवखुद के ग्राम खोखनिया से कटवार मार्ग में कुकुरलिखा घाट कटिंग, ग्राम पंचायत कुदरा के ग्राम कोरमो से सरगुजिहापाठ मार्ग में घाट कटिंग तथा ग्राम पंचायत खोहरा के रजरावल मार्ग में कोठान घाट कटिंग कार्य हेतु 5-5 लाख एवं ग्राम पंचायत ठिसकोली के ग्राम मोगरा स्कूल के पास चबूतरा निर्माण हेतु 1 लाख, ग्राम पंचायत च्यूल में अगरबहादुर के घर के पास यात्री प्रतीक्षालय निर्माण हेतु 1 लाख 50 हजार व ग्राम पंचायत तिलौली स्थित शासकीय हाई स्कूल में सायकल स्टैंड शेड निर्माण हेतु 1 लाख 50 हजार रूपए कुल लागत 56 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

विधायक कमरो की पहल पर स्कूल भवन निर्माण हेतु 75 लाख मंजूर

वनांचल क्षेत्र की बेटियों की शिक्षा में भवन का कोई रोड़ा नहीं होगा। सर्व सुविधायुक्त भवन बनेगा जहां बेटियां अध्ययन कर अपने उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगी तथा अपने माता-पिता के सपनों को भी साकार करेंगी। उक्त बातें सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने विधानसभा क्षेत्र के महाई में हाई स्कूल भवनों के निर्माण हेतु राज्य शासन द्वारा राशि मंजूर किए जाने पर कही। बता दें कि विधायक कमरो की पहल पर वित्तीय वर्ष 2022-23 मुख्य बजट के नवीन मद में प्रावधानित हाई एवं हायर सेकेंडरी शाला भवनों के निर्माण कार्य की मंजूरी में भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत महाई में टी संवर्ग के हाई स्कूल भवन निर्माण हेतु राज्य शासन की ओर से 75 लाख 23 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत राशि से महाई में सर्व सुविधायुक्त हाई स्कूल भवन का निर्माण होगा जहा वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थी सहजतापूर्वक अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। स्कूल भवनों के लिए राशि मंजूर किए जाने पर अभिभावकों ने विधायक कमरो और प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि समर्पण की भावना व प्राथमिकता के आधार पर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

मुखिया भूपेश बघेल स्वयं भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में सीधे जनता तक पहुंचकर किया संवाद

विधायक गुलाब कमरों ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं जनता तक पहुंचाने प्रदेश सरकार दिन-रात एक किए हुए है। सरकार की महती योजनाओं का क्रियान्वयन किस प्रकार हो रहा है इसका जायजा लेने मुखिया भूपेश बघेल स्वयं भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत सीधे जनता तक पहुंचकर उनसे संवाद कर रहे हैं। विधायक ने कहा कि कभी प्रदेश की पहली विधानसभा का दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विकास से कोसों दूर था। पूर्ववर्ती सरकार ने विकास के नाम पर केवल वायदे किए और क्षेत्रवासियों को ठगने का काम किया, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद आज भरतपुर-सोनहत विधानसभा की तस्वीर बदल रही है। सड़क और पुल-पुलियों का जाल बिछाकर विकास को गति देने का काम किया गया है।

भरतपुर सोनहत विधानसभा में बिछ रहा सड़कों का जाल

भरतपुर सोनहत विधानसभा में लगातार सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है और आवागमन सुगम बनाया जा रहा है और यह सब वर्तमान विधायक गुलाब कमरों के सतत प्रयास से संभव हो पा रहा है ऐसा क्षेत्र के लोगों का भी मानना है। विधायक कमरों का कहना है कि जनता ने विश्वास के साथ उन्हें की वह उनके उन्नति के लिए काम करेंगे उन्हें विधानसभा तक भेजा है और यह उनकी जिम्मेदारी है और उस जनता का हक़ है जिन्होंने उन्हें विधानसभा भेजा है कि सुख सुविधाओं का वह ध्यान रखें इसलिए वह भरशक प्रयास कर रहें हैं कि क्षेत्र विकास का हर कार्य जन सुविधाओं और जन आवश्यकताओं से जुड़े हर कार्य वह शासन स्तर से स्वीकृत कराकर जनता को उसका लाभ मिल सके इसका भी पूरा प्रयास कर रहें हैं। विधायक भरतपुर सोनहत ने बताया कि भरतपुर सोनहत विधानसभा छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभाओं में पहले नम्बर का विधानसभा है और यदि भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो यह विधानसभा क्षेत्रफल की दृष्टि से भी बहोत बड़ा है। वृहद क्षेत्र होने के कारण क्षेत्र में जन सुविधाओं का अभी भी अभाव है जिसे पुरानी सरकार ने पूर्ति प्रदान नही किया जिसकी वजह से क्षेत्र में विकास कार्यों की लगातार आवश्यकता है और वह इसलिए लगातार प्रयास करते चले आ रहें हैं कि क्षेत्र की कोई समस्या निराकरण बिना न रह जाये। विधायक ने यह भी कहा कि क्षेत्र को मुख्यमंत्री ने बहोत कुछ प्रदान किया है और उनका विशेष रुप से इस क्षेत्र को लेकर एक चिंतन है जिसके कारण ही वह हर मांग पर क्षेत्र के लिए सहर्ष तैयार हो जाते हैं।

बीहड़ जंगली इलाकों में तेजी से दौड़ेगी विकास की गाड़ी

बता दें कि करीब 2 माह पूर्व मई माह में विधायक गुलाब कमरो दुर्गम और उबड़-खाबड़ पथरीली सड़क को लांघ कर प्रदेश के अंतिम छोर पर बीहड़ जंगल में बसे ग्रामीणों तक पहुंचकर उनका हाल जाना था। उबड़-खाबड़ रास्तों को उन्होंने कुछ दूर पैदल चलकर पार किया तो कुछ दूर मालवाहक पिकअप का सहारा लिया। विधायक कमरो छतीसगढ़-मध्यप्रदेश की सीमा से लगे बीहड़ जंगलों के बीच बसे गाँव कुदरा, कोरमो, झापर, खोहरा, ढाब और सरगुजिहापाठ पहुंचकर वहां जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं थीं। इस दौरान उन्होंने रास्ते में पड़ने वाले घाट को कटिंग कराए जाने की घोषणा की थी और घोषणा के 2 माह के भीतर घाट कटिंग के लिए लाखों रूपए की मंजूरी प्रदान कर दी गई है। अब सड़क बनने से बीहड़ जंगली इलाकों में सारी मूलभूत सुविधाएं शीघ्रता से मुहैया हो सकेंगी और यहां तेजी से विकास की गाड़ी दौड़ेगी। ग्रामीणों ने विधायक कमरो के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहली बार कोई उनकी सुध ले रहा है।

विधायक ने कैसा कराया विकास कि खुद उनकी गाड़ी फंस गई

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 17 मई 2022 (घटती-घटना)।

- क्या फील गुड केवल खबरों तक ?
- आजादी के बाद पहली बार था विकास का दावा,फिर भी गाड़ी को लगाना पा धक्का।
- पथरीली सड़क पर गाड़ी को धक्का लगवाकर किसी तरह गंतव्य तक पहुंचे विधायक जी।
- विकास कार्यों सहित घोषणाओं की खुली पोल,किसी तरह गंतव्य तक पहुंच सके विधायक जी।
- विधायक अपने फेसबुक पेज से तस्वीर जारी कर बुरा फंसे,विधायक जी आखिर क्या दिखना चाहते थे?
- क्या विधायक जी यह बताना चाहते थे कि साढ़े तीन साल में विकास इनोवा जाने लाइक नहीं हुआ है ?

छत्तीसगढ़ प्रदेश का विधानसभा क्रमांक 1 भरतपुर सोनहत वैसे तो बहोत ही विस्तृत क्षेत्रफल में फैला हुआ है और इसका क्षेत्रफल प्रदेश के सबसे बड़े विधानसभा क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है लेकिन यह विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ होने के अलावा आजतक इस क्षेत्र के कई गांव पहुंचविहीन बने हुए हैं और जहां आज भी आवागमन के लिए सड़क मार्गों की अनुपलब्धता है। क्षेत्र से जो भी विधायक चुना गया सभी ने क्षेत्र में विकास की बात कही और सभी ने यह भरशक बताने का प्रयास किया कि उनके अलावा कोई विकास नहीं कर सकता और उन्होंने जो विकास किया ऐसा आजादी के बाद पहली बार हुआ है और जो आज तक का सर्वोत्तम विकास है लेकिन यदि हकीकत देखी जाए तो एक ही बात साफ नजर आती है क्षेत्र के विधायकों ने कभी क्षेत्र की सही तरीके से सुध नहीं ली और जो कुछ भी विकास को लेकर दावे किए गए वह धरातल पर कम ही नजर आए जैसा कि अभी वायरल हो रही एक तस्वीर से भी समझ मे आ रहा है जिसमें विधायक को स्वयं की ही गाड़ी गंतव्य तक पहुंचने में दिक्कत करती नजर आई और बड़ी मुश्किलों से धक्का मारकर गाड़ी को किसी तरह गंतव्य तक पहुंचाया गया। विधायक जी की भी अपनी इनोवा गाड़ी उस रास्ते जाने में समर्थ नहीं थी उन्हें पिकअप से ले जाया जा रहा था लेकिन वह भी ले देकर पहुंच सकी। साढ़े तीन साल बाद अब विधायकों को क्षेत्र की याद आई है और सभी अपने अपने क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहें हैं क्योंकि मुख्यमंत्री ने परफॉर्मेंस की बात की है और परफॉर्मेंस सुधारने सभी विधायक जोर शोर से भिड़ें हुए हैं। विधायक क्रमांक 1 की साढ़े तीन सालों तक कई खबरें प्रकाशित हुईं और लगातार विकास जारी है और सौगात क्षेत्र को विकास का मिल रहा है यह भी बातें सामने आती रहीं लेकिन अब जब विधायक जी स्वयं क्षेत्र में भ्रमण पर निकले हैं सड़क विहीन क्षेत्र में जाकर खुद ही बुरी तरह फंसे नजर आए जिससे विकास कार्यों की पोल खुल गई। फील गुड केवल खबरों तक था अब यही नजर आ रहा है। विधायक जी को लेकर यही कहा जा रहा है कि साढ़े तीन साल तक तो शहर का मोह और एयर कंडीशनर गाड़ियों का सफर करते रहे विधायक जी अब परफॉर्मेंस सुधारने जैसे ही क्षेत्र में निकले हैं क्षेत्र के विकास की पोल खुल रही है। वैसे भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के विधायक शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित रहते आये हैं और शहर के व्यवसायियों के बीच ही उनकी आवाजाही होती रही है और इसी वजह से क्षेत्र में कोई विधायक एक जमीनी नेता की छवि नहीं बना पाया है और इसीलिए चुनाव के वक्त उन्हें दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा है। रेस्ट हाउस में समय साढ़े तीन सालों का जैसे तैसे गुजर गया अब चुनाव का वक्त नजदीक है और नेताजी इसीलिये अब पहुंचविहीन क्षेत्रों में दौरा कर रहें हैं ऐसी भी खबरें हैं क्योंकि क्षेत्रफल बड़ा है और विधानसभा में समाचारों के फीलगुड का असर भी कम है इसलिए जमीनी स्तर पर जाकर अब मेहनत करना होगा जनता को चेहरा दिखाना होगा तभी चुनाव में सफलता मिल सकेगी। वैसे भरतपुर सोनहत विधानसभा के जानकारों का भी कहना है कि इतिहास गवाह है जो भी इस क्षेत्र का विधायक व्यवसाइयों के चक्कर मे पड़ा है उसका भविष्य खतरे में ही पड़ा है और वह मेहनत में भी पिछड़ा है। अब देखना यह है कि विधायक जी जिस तरह मेहनत कर रहें हैं परफॉर्मेंस को लेकर उनको कितना नम्बर मिलता है वहीं उनके द्वारा जितने लोकार्पण और जितने भी घोषणाएं की गईं हैं जो क्षेत्र को सौगात दिलाई गई हैं उनका धरातल पर कब लाभ दिखाई देगा।

युवाओं के कौशल में चार चांद लगाता एनटीपीसी कोरबा का प्रशिक्षण कार्यक्रम

-नगर संवाददाता-

कोरबा ,17 जुलाई 2022(घटती-घटना)। युवाओं में रोजगार क्षमता विकसित करने के लिए कौशल विकास एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस दिशा में एनटीपीसी कोरबा अपने आस ङ्क पास के गांवों के युवाओं के कौशल विकास और रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।इसी कड़ी में एनटीपीसी कोरबा द्वारा कौशल एवं तकनीकी सहायता केंद्र (सिपेट कोरबा) के सहयोग से युवाओं के कौशल विकास के लिए सहायक मशीन ऑपरेटर - इंजेक्शन मोल्डिंग (एमओए-आईएम) (आरएससी/क्यू 4501) का नि ॅ शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इस कार्यक्रम के तहत 40 विद्यार्थी प्रशिक्षण से लाभान्वित हुए। 3 महीने तक चलने वाले इस प्रशिक्षण की समाप्ति के पश्चात छात्रों के लिए प्लेसमेंट हेतु सहयोग किया गया। प्रशिक्षण समापन समारोह में पी एम जेना, मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी कोरबा ने कहा कि ÷इस अवसर पर आप सभी के बीच आ कर मैं हर्षित हूँ। मैं आशा करता हूँ कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आप सभी के लिए लाभदायक साबित हुआ होगा एवं कौशल विकास के इस प्रयास से सभी प्रशिक्षणार्थी रोज़गार के नए अवसर पा सकेंगे।÷ विद्यार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण दे कर उनके कौशल विकास में अपना योगदान देने के लिए उन्होने सीपेट टीम को भी धन्यवाद दिया।

उन्होने कहा कि एनटीपीसी कोरबा अपने इस प्रयास से गौरवान्वित है।इस अवसर पर केंद्र प्रमुख, सिपेट कोरबा, मनोज कुमार राजपूत ने कहा की ÷एनटीपीसी कोरबा के साथ सहभागिता से हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 विद्यार्थियों को 3 महीने का गैर-आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। पाठ्यक्रम में उन्हे प्लास्टिक के विभिन्न पदार्थ बनाने वाले मशीन में प्रशिक्षण देते हैं, उपयोग होने वाली सामग्री के बारे में बताते हैं एवं उद्योग जगत में उपयोग होने वाले पदार्थों के बारे में सिखाते हैं। प्रशिक्षण के समाप्ति के पश्चात ये विद्यार्थी देश के विभिन्न उद्योगों में व्यवसाय के अवसर पाते हैं÷।कार्यक्रम का दौरान पी एम जेना ने विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरण कर उन्हे बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की। समापन समारोह में मनोरंजन सारंगी, (विभागाध्यक्ष - मानव संसाधन), बिजय कुमार स्वाइन, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), मनोज कुमार राजपूत, केंद्र प्रमुख, सिपेट कोरबा, एनटीपीसी कोरबा सीएसआर एवं सिपेट के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 12.07.2022
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01 निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए Log in करें https://eproc.cgstate.gov.in
02. आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि-21.07.2022
03. संबंधित संभाग-अम्बिकापुर

सरल क्रं.	एन.आई.टी.क्रं./ऑन लाईन सिस्टम क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	51 104791 4th Call D Class and Above	जिला सरगुजा विकासखण्ड लखनपुर ग्राम सिरकोतंगा में मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य ।(शेष कार्य)	23.65

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी नंबर-92973/4

पीवी सिंधू ने जीता सिंगापुर ओपन 2022 का खिताब

फाइनल में चीन की वाईंग झी वाई को चटाई धूल

सिंगापुर ,17 जुलाई 2022। भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने रविवार को महिला एकल फाइनल में चीन की वाईंग पर शानदार जीत दर्ज कर सिंगापुर ओपन 2022 का खिताब अपने नाम कर लिया है। 11वीं रैंकिंग पर काबिज वाईंग को हराकर सिंधु ने पहला सिंगापुर ओपन का खिताब अपने नाम किया, यह उनका पहला सुपर 500 का खिताब है। इस मुकाबले में सिंधू ने वाईंग को 21-9, 11-21 और 21-15 से मात दी।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू का यह इस साल की तीसरा खिताब है। इससे पहले सिंधु सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय और स्विस ओपन में दो सुपर 300 खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

बता दें कि राष्ट्रमंडल खेलों से पहले ये खिताब सिंधू का आत्मविश्वास जरूर बढ़ाएगा।

राष्ट्रमंडल खेलों में उतरेगा भारत का 322 सदस्यीय दल

नयी दिल्ली ,17 जुलाई 2022। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 के लिये 322-सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। इस टीम में 215 एथलीट और 107 अधिकारी एवं सहायक कर्मी हैं जो 28 जुलाई से खेलों में हिस्सा लेंगे।

भारतीय स्क्वाड 2018 के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों के अपने प्रदर्शन को सुधारना चाहेगी, जहां वह ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पीछे तीसरे स्थान पर रहा था।

आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने आधिकारिक घोषणा पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम राष्ट्रमंडल खेलों में अपने सबसे मजबूत दस्तों में से एक को भेज रहे हैं। हमारा सबसे मजबूत खेल शूटिंग यहां नहीं है, लेकिन हमें विश्वास है कि हमारा प्रदर्शन पिछले संस्करण से बेहतर होगा। भले ही प्रतियोगिता विश्व स्तरीय होगी लेकिन हमारे एथलीटों ने अच्छी तैयारी की है और प्रतियोगिता में जाने के लिए उतावले हैं। हम उन सभी को शुभकामनाएं देते हैं।

उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने हाल के वर्षों में ओलंपिक खेलों को अभूतपूर्व समर्थन प्रदान किया है और ओलंपिक खेलों में हमारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इसका प्रमाण है। हम इसके लिए हमेशा आभारी रहेंगे और हमारे एथलीट यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा किए गए अथक प्रयासों के लिए समृद्ध पुरस्कार प्राप्त हों।

नीरज चोपड़ा के अलावा टीम में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, मीराबाई चानू, लवलीना बोरगोहेन, बजरंग पुनिया और रवि कुमार दहिया जैसे कुछ प्रमुख नाम शामिल हैं। गत राष्ट्रमंडल चैंपियन मनिका बत्रा, विनेश फोगट के साथ-साथ 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तजिंदरपाल सिंह तूर, हिमा दास और अमित पंघल की उपस्थिति ने टीम को मजबूत किया है।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के उपाध्यक्ष राजेश भंडारी को टीम का शेफ डी मिशन नियुक्त किया गया है।

टीम इंडिया 15 खेल विधाओं के साथ-साथ पैरा स्पोर्ट्स कैटेगरी की चार विधाओं में भी प्रतिस्पर्धा करेगी। भारत मुक्केबाजी, बैडमिंटन, हॉकी, भारोत्तोलन, राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार हो रहे महिला क्रिकेट और कुश्ती जैसे पारंपरिक रूप से मजबूत खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा। एथलेटिक्स, साइक्लिंग, तैराकी और टेबल टेनिस में भी भारतीय दस्ते मजबूत हैं और चुनौती के लिए तैयार हैं।

दस्ते के विभिन्न सदस्य पिछले कुछ दिनों में विभिन्न चरणों में बर्मिंघम पहुंच चुके हैं, जो उनके संबंधित कोचों द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण व्यवस्था पर निर्भर करता है। कुछ सदस्य विभिन्न वैश्विक स्थानों पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और सीधे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे जबकि बाकी दल नयी दिल्ली से रवाना होंगे।

राष्ट्रमंडल खेल गांव आधिकारिक तौर पर 23 जुलाई, 2022 को टीमों के लिए अपने दरवाजे खोलेगा।

अगली एफटीपी में पांच टेस्ट मैचों की होगी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

दुबई ,17 जुलाई 2022। 1992 के बाद पहली बार भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी। मई 2023 से अप्रैल 2027 तक चलने वाली आईसीसी की अगली एफ़टीपी में यह निर्धारित किया गया है।

2018-19 में भारत, ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज़ जीतने वाला पहला एशियाई देश बना था। इसके दो साल बाद, कई बड़े खिलाड़ियों की ग़ैरमौजूदगी में टीम ने गाबा में एक धमाकेदार जीत करते हुए 2-1 से सीरीज़ अपने नाम की थी। दोनों मौक़ों पर चर्चा हुई थी कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी को पांच मैचों की सीरीज़ बनाया जाना चाहिए और अब यह सच हो रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले चार सालों में दो ऐसी सीरीज़ खेलने पर सहमति जताई है।

मिली जानकारी के अनुसार दिसंबर-जनवरी 2024-25 में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। इसके बाद साल 2027 की शुरुआत में यह दोनों टीमें भारत में टकराएंगी। यह दोनों ही सीरीज़ क्रमशः 2023-25 और 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा होंगी। इसके अलावा भारत को इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मैचों की दो टेस्ट सीरीज़ खेलनी है ङ्क घर पर 2024 में और 2025 में इंग्लैंड जाकर। जहां घरेलू सीरीज़ 2023-25 डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी वहीं अगली सीरीज़ 2025-27 चक्र के अंतर्गत खेली जाएगी।

नई एफ़टीपी के मसौदे के अनुसार जहां इंग्लैंड को 42 और ऑस्ट्रेलिया को 41 टेस्ट खेलने हैं, वहीं भारत 38 टेस्ट मैचों में हिस्सा लेगा। इसके अलावा बांग्लादेश (34) और न्यूज़ीलैंड (32) ही वह दो टीमें है जो 30 से अधिक टेस्ट मैच खेलेंगी। मानदंड के अनुसार डब्ल्यूटीसी चक्र की सीरीज़, भाग लेने वाली टीमों द्वारा सहमति से निर्धारित की जाती है जबकि आगामी दो डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए सीरीज़ पर मुहर लगाई जा चुकी है, मैचों की संख्या और तारीख़ों में समायोजन के लिए जगह है। नतीजतन, आईसीसी, जो एफ़टीपी को अंतिम रूप देने में देशों की मदद करने के लिए एक सुविधाजनक भूमिका निभाता है, ने एफ़टीपी के मसौदे में कई सीरीज़ की पहचान की है, जिनपर इंग्लैंड के बर्मिंघम में 25 और 26 जुलाई को आईसीसी वार्षिक सम्मेलन के अंत तक अंतिम फ़ैसला लिया जाना है।

अगस्त में खेली जाएगी केएससीए की नई टी20 प्रतियोगिता

बेंगलुरु ,17 जुलाई 2022। तीन साल पहले भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने और कोरोना महामारी झेलने के बाद कर्नाटका राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) अगले महीने अपने टी20 टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने जा रहा है। कर्नाटका प्रीमियर लीग (केपीएल) नाम से खेला जाने वाले यह टूर्नामेंट अब महाराजा ट्रॉफ़ी टी20 के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा केएससीए ने छह टीमों के इस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए कई बदलाव किए हैं।

फ़्रैंचाइज़ी प्रणाली को हटाकर एसोसिएशन प्लेयर ड्राफ़्ट, भुगतान से लेकर कोच और स्टाफ़ की नियुक्ति तक क्रिकेट के सभी पहलुओं को संभालेगा। हालांकि बोर्ड ने सभी छह टीमों के लिए प्रायोजकों के साथ करार किया है। प्रतियोगिता का नौवां संस्करण 7 से 26 अगस्त के बीच बेंगलुरु और मैसूर में खेला जाएगा।

मुख्य रूप से केएससीए ने देश के कर कानूनों को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया है। सचिव संतोष मेनन ने कहा, फ़्रैंचाइज़ी प्रणाली के साथ आगे बढ़ने से एसोसिएशन को कर के रूप में अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा देना पड़ता क्योंकि इसे अर्जित आय के रूप में देखा जाता। इस नए फ़ॉर्मेट में, जहां सारा खर्च एसोसिएशन उठाएगा, कर के प्रतिशत में कटौती होगी। इसके अलावा,

केएससीए ने बीसीसीआई द्वारा अनिवार्य सभी भ्रष्टाचार विरोधी प्रोटोकॉल का पालन करने की बात को दोहराया है।

केएससीए के सभी छह क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया गया है बेंगलुरु, मैसूर, हुबली, शिमोगा, रायचूर और मंगलुरु

अध्यक्ष और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी के नेतृत्व में एसोसिएशन की क्रिकेट समिति ने राज्य के छह क्षेत्रों से छह चयनकर्ताओं के समूह का गठन किया है जो ड्राफ़्ट प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे ताकि टीमें बराबर बनाई जाए। आनंद कट्टी, एआर महेश, एमवी प्रशांत, संतोष वैद्यराज और रघोत्तम नवली चयनकर्ता की भूमिका संभालेंगे।

35 वर्ष की आयु वर्ग में सभी खिलाड़ी इस लीग में हिस्सा लेने के पात्र होंगे। केएससीए की समिति कप्तानों और उप-कप्तानों को भी नामित करेगी। प्लेइंग इलेवन के चयन में या किसी अन्य क्रिकेट निर्णय में टीम के प्रायोजकों की कोई भागीदारी नहीं होगी।

एसोसिएशन ने सभी छह टीमों को अपने प्रमुख कोचों में से एक मुख्य कोच और एक सहायक कोच वितरित किया है। स्टुअर्ट बिन्नी, नज़ीरउद्दीन, मंसूर अली ख़ान, निखिल हल्दीपुर, दीपक चौगले और पीवी शशीकांत मुख्य कोच होंगे। सभी छह टीमों के लिए एक फ़िज़ियो, ट्रेनर और वीडियो विश्लेषक की नियुक्ति की जाएगी।

खिलाड़ियों को ए, बी, सी और डी जैसे चार वर्गों में बांटा गया है। भारतीय टीम अथवा आईपीएल में खेलने वाले खिलाड़ी ए वर्ग में होंगे। रणजी ट्रॉफ़ी, विजय हज़ारे और सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में हिस्सा लेने वाले स्टेट खिलाड़ी बी वर्ग में होंगे। अंडर-19 और अंडर-23 जैसे आयु वर्ग टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ी सी वर्ग में होंगे जबकि उभरते सितारों को डी वर्ग में रखा जाएगा।

इससे पहले खिलाड़ी ऑक्शन में ख़रीदे जाते थे और 2019 में 7.3 लाख रुपये में पवन देशपांडे सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हुए थे। हालांकि अब खिलाड़ियों को वर्ग के आधार पर चुना जाएगा और वर्ग के लिए निर्धारित राशि मिलेगी। ए वर्ग के खिलाड़ियों को पांच लाख रुपये मिलेंगे। वहीं बी, सी और डी वर्ग के खिलाड़ियों को क्रमशः दो लाख, एक लाख और पचास हज़ार रुपये दिए जाएंगे।

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे खिलाड़ियों को छोड़कर राज्य के सभी बड़े खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इनमें मयंक अग्रवाल, देवदत्त पड़िक्कल, मनीष पांडे, करुण नायर, प्रसिद्ध कृष्णा, श्रेयस गोपाल और के गौतम शामिल हैं।

प्रत्येक टीम अन्य पांच टीमों के विरुद्ध एक मैच खेलेगी जिसके बाद अंक तालिका की निचली दो टीमें बाहर हो जाएगी। टॉप चार टीमें आईपीएल की तरह प्लेऑफ़ में प्रवेश करेगी।

आलिया भट्ट ने 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी आने वाली हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग पूरी कर ली है। आलिया भट्ट फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन से हॉलीवुड में डेब्यू कर रही है।हार्ट ऑफ स्टोन में आलिया भट्ट के साथ गैल गैडोट और जेमी डोर्नन की भी अहम भूमिका है। आलिया ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि इस हॉलीवुड फिल्म में आलिया धमाकेदार एक्शन से भरपूर सीन्स करती हुई दिखाई देंगी।आलिया ने अपने सोशल मीडिया पर गैल गेडोट और क्रू के साथ कुछ फोटोज शेयर की है। आलिया ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, हार्ट ऑफ स्टोन- तुम मेरे दिल में हो। खूबसूरत गैल गेडोट और मेरे निर्देशक टॉम हार्पर को थैंक्यू। जेमी डोर्नन आज आपको बहुत मिस किया और फिल्म की सारी टीम को थैंक्यू मुझे इतना अच्छा एक्सपीरियंस देने के लिए। मैं हमेशा आपके प्यार और केयर के प्रति शुक्रगुजार रहूंगी जो आप सबने मुझे दिया। अब बस फिल्म देखने का इंतजार कर रही हूं। लेकिन अबज्मैं घर आ रही हूं बेबी।फोटो में आलिया समुद्र के किनारे गैल को हग करते हुए नजर आ रही हैं। दूसरे फोटो में आलिया ,क्रू मेंबर्स के साथ दिख रही हैं। पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए गैल ने लिखा, 'हम आपको मिस कर रहे हैं।'गैल ने अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर आलिया के साथ वही फोटो शेयर की और लिखा, 'बहुत प्यारज्इस प्यारी सी लड़की आलिया को, जिसने हॉर्ट ऑफ स्टोन फिल्म का रैपअप कर दिया।

साजिद नाडियाडवाला की फिल्म में काम करेंगे कार्तिक आर्यन!

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म भूल भुलैया 2 को बॉक्स ऑफिस पर मिली शानदार सफलता के बाद से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। भूल भुलैया 2 को मिली शानदार सफलता के बाद कई प्रोडक्शन हाउस से उन्हें फिल्मों के ऑफर्स भी आ रहे हैं।इसी बीच कार्तिक को साजिद नाडियाडवाला के ऑफिस के बाहर देखा गया है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद से चर्चा हो रही है कि कार्तिक जल्द ही साजिद नाडियाडवाला के किसी बड़े प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं। कार्तिक आर्यन की इस वीडियो को फोटोग्राफर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इस वीडियो में कार्तिक , फोटोग्राफर को पोज देते हुए उनका अभिवादन कर रहे हैं।कार्तिक आर्यन जल्द ही शशांक घोष के निर्देशन में बनी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म फ्रेंडी में नजर आने वाले हैं।इसके अलावा कार्तिक शहजादा, कैप्टन इंडिया जैसी फिल्मों में भी नजर आने वाले हैं।

कबीर बेदी की चौथी पत्नी को देख छूट जाएंगे पसीने,बेटी से है 5 साल छोटी

एक्टर कबीर बेदी ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक की फिल्मो में काम किया है. बता दे की एक्टर 76 साल के हो चुके है. कबीर बेदी बॉलीवुड में ज्यादातर विलन का रोल निभाते थे. कबीर बेदी की ने चार शादी की थी.

बता दे की कबीर बेदी की चौथी पत्नी परवीन दोसांझ की उम्र 45 साल है. परवीन के साथ करीब 10 साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद एक्टर ने शादी की थी. कबीर बेदी ने 1971 से फिल्मी दुनिया का सफर शुरू किया था. एक्टर की पहली शादी 1969 में डांसर प्रोतिमा से हुई थी, उन्हें पहली शादी से दो बच्चे हैं-बेटी पूजा और बेटा सिद्धार्थ. कबीर बेदी की पहली पत्नी की मौत एक हादसे में हो गई थी. इसके बाद एक्टर का नाम एक्ट्रेस परवीन बॉबी के साथ भी जुड़ा. एक्टर परवीन के साथ बॉलीवुड से हॉलीवुड भी पहुंचे, लेकिन दोनों का रिश्ता लंबे समय तक नहीं चल पाया. परवीन बॉबी के बाद एक्टर कबीर बेदी ने ब्रिटिश फैशन डिजाइनर सुसैन हम्फ्रेस से शादी की. दोनों का एक बेटा भी हुआ. कबीर बेदी और उकी पत्नी सुसैन का रिश्ता भी लंबे समय तक नहीं चल सका और दोनों का तलाक हो गया.कबीर बेदी ने दूसरे तलाक के बाद 1990 में तीसरी शादी टीवी और रेडियो प्रेजेंटर निक्की से रचाई. कबीर की यह शादी भी लंबे समय तक नहीं चल पाई और दोनों ने 2005 में अलग होने का फैसला ले लिया. कबीर बेदी ने चौथी शादी परवीन दोसांझ से की

आमिर खान की लाल सिंह चड्डा का गाना तूर कलियां हुआ रिलीज

सुपरस्टार आमिर खान की अपकमिंग बहुचर्चित फिल्म लाल सिंह चड्ढा का गाना तूर कलियां रिलीज हो गया है। इस संगीतमय उत्साह का संगीत प्रीतम ने दिया है और इसके प्रेरक गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। इस शानदार गाने को अरिजीत सिंह, शादाब और अल्तमश ने अपनी आवाज दी है।तूर कलियां एक ऐसा गीत है जो लाल सिंह चड्ढा की भावना का प्रतीक है।

गाने को ऑडियो फॉर्मेट में रिलीज किया गया है, लेकिन कहा जाता है कि फिल्म की टीम ने गाने की शूटिंग के लिए कई अलग-अलग जगहों की यात्रा की। यह गाना फिल्म में शूट किया गया सबसे लंबा सीक्वेंस था।तूर कलियां की शूटिंग से पहले घुटने के दर्द से जूझ रहे आमिर ने इसी हालत में इस सीक्वेंस को शूट किया था। निर्माताओं ने गीतकारों, संगीतकारों, संगीतकारों और तकनीशियनों को केंद्र में रखते हुए, वीडियो के बिना गाने जारी किए हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस, किरण राव और वायकॉम18 स्टूडियोज द्वारा निर्मित लाल सिंह चड्ढा में करीना कपूर खान, मोना सिंह और चैतन्य अक्किनेनी भी हैं। यह फिल्म फॉरेस्ट गंप की आधिकारिक रीमेक है। फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होगी।

नताशा सूरी ने आगामी फिल्म टिप्सी में अपने किरदार के बारे में की बात

पूर्व फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड नताशा सूरी दीपक तिजोरी की फिल्म टिप्सी में नजर आने वाली हैं। वह फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात करती है जिसमें कायनात अरोड़ा, सोनिया बिरजे, अलंकृता सहाय और नाजिया हुसैन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। नताशा कहती हैं, यह पूरी तरह से मनोरंजक है और मुझे इसमें तान्या का किरदार निभाना अच्छा लगा। हंसी और पागलपन के साथ, यह महिला मित्रता के भावनात्मक पहलुओं की भी पड़ताल करती है। नताशा ने अभिनेता के रूप में 2016 में मलयालम फिल्म किंग लियर से डेब्यू किया था। उन्हें आखिरी बार बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर अभिनीत डेंजरस में देखा गया था। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें स्क्रिप्ट पसंद आई और इसलिए इस अवसर को स्वीकार करने में उन्हें कोई समय नहीं लगा।

उन्होंने कहा, मुझे स्क्रिप्ट पसंद आई और मुझे इसमें कास्ट होने के अवसर का लाभ उठाने में समय नहीं लगा। दर्शकों को फिल्म और इसकी युवा और मजेदार कंटेंट का आनंद मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म स्क्रीन पर अच्छा प्रदर्शन करेगी और प्रभाव छोड़ेगी।

दीपक तिजोरी द्वारा निर्देशित, यह फिल्म पांच लड़कियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गोवा की बैचलरेट यात्रा पर जाती हैं। यह सितंबर में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

किसानों के लाखों रुपयों का गबन करने वाला ठगबाज गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 17 जुलाई 2022। जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें पुलिस द्वारा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति रसेडा मे फर्जी विड्राल के माध्यम से रू. 32,30,724 राशि बैंक से निकाल कर धोखाधड़ी करने वाले एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

दुकान का छज्जा अचानक गिरा, कर्मचारी की हालत नाजुक

बिलासपुर, 17 जुलाई 2022। रविवार की दोपहर भारतीय नगर चौक के पास मटन दुकान का छज्जा भरभरा कर गिर गया। छज्जे के मलबे की चपेट में आकर नीचे काम कर रहा दुकान का कर्मचारी घायल हो गया। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिविल लाइन क्षेत्र के भारतीय नगर चौक के पास दुकाने बनी हुई हैं। यहां पर तालापारा में रहने वाले अस्वार खान का मटन दुकान भी है। रविवार की दोपहर दुकान का कर्मचारी मोहम्मद आदिल(22) काम कर रहा था। इसी बीच दुकान का छज्जा भरभरा कर गिर गया। छज्जे के मलबे में दुकान का कर्मचारी आदिल दब गया।

आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों को दी। इसके बाद निगम के एक्सीवेटर को मंगाकर मलबा हटाया गया। मलबे में दबे आदिल को सिर और गर्दन के पास गंभीर चोटे आई थी।

सिंहदेव के इस्तीफे पर सीएम बघेल ने कहा-हमारे बीच सब तालमेल अच्छा

रायपुर, 17 जुलाई 2022। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री टीएस सिंहदेव के मंत्री पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद उनके प्रशंकों सहित प्रदेश की जनता भी आश्चर्यचकित हो गए हैं। भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस की छत्तीसगढ़ सरकार के साथ लगातार चार साल से कंधे से कंधा मिलकर चलने वाले मंत्री टीएस सिंहदेव के इस तरह मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कई तरह से कयास लगाए जा रहे है।

छत्तीसगढ़ वरिष्ठ विधायक टीएस सिंहदेव के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से इस्तीफे के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। मुख्यमंत्री ने रायपुर में कहा, ÷उन्हें मीडिया के माध्यम से इसकी सूचना मिली है। अभी तक उन्हें पत्र नहीं मिला है। उनके पास पत्र आएगा तो परीक्षण करा लेंगे।

मुख्यमंत्री रविवार को रायपुर के इनडोर स्टेडियम में आयोजित जैन संतों के चातुर्मास कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। वहां पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने कहा, ÷कल उन्होंने फोन लगाया था, लेकिन फोन लग नहीं पाया। हमारे बीच सब तालमेल है। हम इस संबंध में चर्चा कर लेंगे।

बता दें कि रविवार शाम मुख्यमंत्री निवास में कांग्रेस विधायक दल की बैठक होनी है। इसमें राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के लिए विधायकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। इस बैठक में भी सिंहदेव के इस्तीफे की परिस्थितियों पर चर्चा की संभावना बन रही है।

सिंहदेव ने शनिवार शाम की थी घोषणा

मंत्री टीएस सिंहदेव ने शनिवार शाम को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चार पेज का एक पत्र लिखा है। इसमें विभाग में लगातार दखलअंदाजी और उनके प्रस्तावों पर काम नहीं होने की गंभीर शिकायतें हैं। इस पत्र के बाद प्रदेश की राजनीति में तूफान आया हुआ है।

संगठन ने साध ली है चुप्पी

इस मुद्दे पर कांग्रेस संगठन ने पूरी तरह से चुप्पी साध ली है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया ने कहा, वे इस मामले पर कोई बात नहीं करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने फोन तक बंद कर लिया। कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा, पत्र अभी तक मिला नहीं है। उसके मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

टीएस सिंहदेव के इस्तीफे पर पुनिया का बड़ा बयान

रायपुर। टी एस सिंहदेव के इस्तीफे की बात कांग्रेस आलाकमान तक पहुंच गई हैं। प्रभारी पीएल पुनिया ने कहा मामले की जानकारी महासचिव KC वेणुगोपाल को दी है। मैंने भूपेश बघेल और सिंहदेव से चर्चा की है ।इस दौरान सिंहदेव ने पंचायत विभाग से मुक्त करने की बात कही है। पुनिया ने आगे कहा सिंहदेव के पत्र मिलने के बाद कोई निर्णय होगा।

वही पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव के पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ओर से पहली प्रतिक्रिया जताई गई है। उन्होंने कहा है टीएस सिंहदेव का कोई भी पत्र नहीं मिला है, मीडिया के माध्यम से इस्तीफे की जानकारी मिली हैं, सिंहदेव के पत्र मिलने पर परीक्षण करेंगे, उन्हे कल फोन लगाया था, बात नहीं हुई सभी तालमेल है, आपस में बैठकर चर्चा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जैन समाज के चातुर्मास कार्यक्रम में शामिल होने इंडोर स्टेडियम में पहुंचे थे, इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से चर्चा में पंचायत मंत्री सिंहदेव के इस्तीफा पर कहा कि (इस्तीफा) पत्र मिलने पर परीक्षण करुंगा, कल उन्हें फ़ोन लगाया था, लेकिन बात नहीं हो पाई।

राष्ट्रपति निर्वाचन के लिए 18 को होगा मतदान,विधानसभा भवन में पूरी हुई तैयारियां

रायपुर, 17 जुलाई 2022। देश के 16वें राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए 18 जुलाई को मतदान होगा। प्रदेश के 90 विधायक विधानसभा भवन के समिति कक्ष क्रमांक-2 में बनाए गए मतदान केंद्र में वोट डालेंगे। इसके लिए वहां पूरी तैयारियां की जा चुकी हैं। मतदान का समय सवेरे दस बजे से शाम पांच बजे तक निर्धारित है। मतों की गिनती 21 जुलाई को नई दिल्ली में की जाएगी।

भारत के राष्ट्रपति के चुनाव के लिए लोकसभा एवं राज्यसभा के निर्वाचित सांसदों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा पुडुचेरी संघ राज्य क्षेत्र सहित सभी राज्यों के निर्वाचित विधानसभा सदस्य मतदान करते हैं। इस निर्वाचन में भिन्न-भिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व के मान में एकरूपता एवं समतुल्यता प्राप्त करने के लिए संसद और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य जितने मत देने के हकदार हैं, उनके मान का अवधारण करने के लिए प्रत्येक राज्य की जनसंख्या पर आधारित एक फार्मूला तैयार किया गया है जिसके अनुसार इस निर्वाचन में एक सांसद के मत का मूल्य 700 है, जबकि छत्तीसगढ़ के विधायकों का मत मूल्य 129 है।

वर्तमान निर्वाचक मण्डल में 233 राज्यसभा सदस्य, 543 लोकसभा सदस्य एवं 4033 राज्य विधानसभाओं के सदस्यों सहित कुल 4809 सदस्य हैं। राष्ट्रपति पद के लिए दो दावेदार द्रौपदी मुर्मू और यशवन्त सिन्हा हैं।

हत्या की सुलझी गुत्थी:नौकर को खरी-खोटी सुनाना पड़ा भारी,मालिक को दी दर्दनाक मौत

बालोद, 17 जुलाई 2022। एक व्यक्ति जो अपने घर में काम करने वाले एक नौकर के काम से संतुष्ट नहीं था और अन्य नौकरों के सामने उसे खरी-खोटी कहा करता था. डेढ़ माह पहले 23 मई को भी इसी तरह से अपने नौकर को भला-बुरा कह दिया था तो उसने आहत होकर अपने मालिक को ही मौत के घाट उतार दिया.

दरअसल, मामला डेढ़ माह पहले यानी 23 मई का है. जब सांकरी गांव के उपसरपंच के पिता बालकिशन ताम्रकार की लाश गांव से लगभग ढाई किलोमीटर दूर खेत में बने झोपड़ी में मिली. जहां उपसरपंच के पिता रहते थे. पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसके सिर पर गहरे चोट के निशान मिले. जिसके बाद पुलिस बाल किशन के हत्यारे की तलाश में जुट गई. इस हत्या की गुत्थी को सुलझाना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती थी, जिसके चलते निरीक्षक भानु प्रताप साव और साइबर सेल की टीम को हत्यारे को खोजने की जिम्मेदारी मिली.

जांच में जुटी पुलिस ने पूछताछ के दौरान जब हत्यारे नौकर सतानंद से पूछताछ की. तो हत्या की वजह कुछ खास नहीं थी. सतानंद अपने मालिक बाल किशन से इसलिए नाराज था कि उसका मालिक अन्य नौकरों के सामने उसे खरी खोटी कहता था. बालकिशन अपने नौकर सतानंद के काम से संतुष्ट नहीं रहता था. इसीलिए हर रोज किसी न किसी बात को लेकर अन्य नौकरों के सामने उन्हें काम को लेकर सुनता रहता था. जिसके चलते वह अपने आप को बेइज्जत महसूस करता था. कुछ इसी तरह 23 मई को भी हुआ. जिसके चलते अपने मालिक से नाराज होकर उसे कुदारी से मौत के घाट उतार दिया.

निजी विश्विद्यालय की मनमानी के विरोध में एनएसयूआई ने राजभवन तक मार्च कर सौंपा ज्ञापन,तत्काल कार्यवाही की मांग

रायपुर, 17 जुलाई 2022। रायपुर ज़िला महासचिव प्रशांत गोस्वामी के नेतृत्व में आज सैकड़ो छात्रों ने निजी विश्विद्यालय द्वारा की जा रही अवैध वसूली के विरोध में राजभवन तक मार्च कर कार्यवाही हेतु ज्ञापन सौंपा गया।

महासचिव गोस्वामी ने बताया कि AMITY यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित अवधि से एक माह पश्चात शुल्क अदा करने पर 15 हज़ार रुपये छात्र/छात्राओं से अवैध वसूली की जा रही है. वही दूसरी तरफ़ श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी द्वारा विधि पाठ्यक्रम बिना बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया की अनुमति के बग़ैर ही फ़र्ज़ी तरीक़े से संचालित की जा रही है तथा दोनो ही विश्विद्यालय द्वारा छात्रों को सत् प्रतिशत प्लेस्मेंट का वादा किया जाता है लेकिन अब तक ये दोनो ही विश्विद्यालय 30% छात्र/छात्राओं को रोज़गार देने में विफल रहे है ।

इन्ही मुद्दों को लेकर एनएसयूआई ने राजभवन मार्च कर दोनो विश्विद्यालय की मान्यता रद्द करने तथा कार्यवाही करने की माँग की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निखिल वंजरी ,अभिनव शर्मा,राजकुमार यादव,अंकित शर्मा,भूपेश वर्मा,प्रशांत चंद्राकर, शिवांक सिंग,संदीप विश्वाकर्मा,वैभव मुजावर, मांटी, सूरज, दिव्यांश, विराट, अनिमेष, भूपेन्द्र, भूपेश, यश, हर्षित, लक्की सहित सैकड़ों NSUI छात्र नेता मौजूद रहे ।

कमिश्नर ने डीईओ व बीईओ को जारी किया नोटिस

जशपुर, 17 जुलाई 2022। कमिश्नर जीआर चुरेंद्र ने जशपुर नगर के जिला शिक्षा अधिकारी जे प्रसाद व कुनकुरी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसआर साव को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है. डीईओ कार्यालय में कुछ कर्मचारियों ने सामूहिक मद्यपान किया था. कमिश्नर ने कर्मचारियों के इस कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम का उल्लंघन मानते हुए और कार्यालय प्रमुख होने के नाते अपने मातहतों पर नियंत्रण नहीं होने, लापरवाह, पदीय दायित्वों की उपेक्षा के कारण डीईओ व बीईओ को नोटिस जारी किया गया है.

जशपुर जिले के विकासखंड कुनकुरी अंतर्गत शासकीय प्रथमिक शाला पोखराटोली के दुष्कर्म आरोपी प्रभारी प्रधानपाठक रामकृष्ण यादव के विरुद्ध कुनकुरी थाने में पाक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है. अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के निरीक्षण में पाया गया कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूलों का नियमित निरीक्षण नहीं किया जाता. शिक्षकों में उनका नियंत्रण नहीं है और शिक्षकों में स्वेच्छाचारिता व्याप्त है. कमिश्नर ने कुनकुरी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसआर साव के उक्त कृत्य को गैर जिम्मेदाराना, लापरवाही, पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता मानते हुए कारण बताओ सूचना जारी किया. उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से 3 दिवस के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए हैं.।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित हुई 'हर घर तिरंगा' अभियान की बैठक, सीएम भूपेश समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री हुए शामिल

रायपुर, 17 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान आयोजित किया जा रहा है, इस अभियान में 13 से 15 अगस्त तक हर घर, शासकीय-निजी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, अर्धशासकीय कार्यालयों, व्यावसायिक, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, गैर सरकारी संगठनों के कार्यालयों में तिरंगा झंडा फहराया जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बैठक में इस अभियान के लिए छत्तीसगढ़ में की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के संबंध में शासकीय स्तर पर बैठक आयोजित की जा चुकी है, भारत सरकार द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं, उनके आधार पर प्रदेश में तैयारियां की जा रही हैं।

अभियान में सामाजिक संगठनों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उपक्रमों, कारपोरेट जगत की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उपक्रमों, कारपोरेट जगत को सीएसआर मद से इस अभियान में भागीदारी और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। खादी ग्रामोद्योग एवं हाथ करघा विभाग, स्थानीय स्व-सहायता समूहों के माध्यम से तिरंगा का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे उन्हें और स्थानीय दर्जियों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 60 लाख परिवार हैं। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिलेवार लक्ष्य तय कर कार्ययोजना बनाई गई है। पांपलेट, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स और सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मुख्य सचिव ने भी कलेक्टरों की बैठक लेकर उन्हें इस अभियान की तैयारियों के संबंध में दिशा निर्देश दिए हैं। लोगों से यह भी कहा गया है कि अभियान के दौरान और इसके बाद भी झंडे की गरिमा और सुरक्षा का ध्यान रखा जाए।

पीडब्लूडी रेस्ट हाउस में मिला 7 फ़ीट का अजगर

बालोद, 17 जुलाई 2022। जिला मुख्यालय के डोंडीलोहरा से 3 किलोमीटर दूर संबलपुर के पीडब्लूडी रेस्ट हाउस में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब 7 फिट का विशालकाय अजगर मिला. जिसके बाद रेस्ट हाउस के कर्मचारी अजय भट्ट और वन विभाग के लोगों ने रेस्क्यू कर अजगर को पकड़ा. तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली. बता दें कि, बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के 3 किलोमीटर दूर संबलपुर में पीडब्लूडी का विश्राम गृह है.

जहां रविवार दोपहर को 7 फिट का विशालकाय अजगर दिखा. जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम और विश्रामगृह के कर्मचारी अजय कुमार भट्ट और अन्य लोगों की मदद से अजगर का रेस्क्यू किया गया. हालांकि बाद में वन विभाग की टीम ने अजगर को खरखरा जलाशय के पास ले जाकर सुरक्षित छोड़ दिया।

जल भराव के चलते गंगरेल डैम के खोले गए सारे गेट,प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

रायपुर, 17 जुलाई 2022। लगातार बारिश के चलते धमतरी स्थित गंगरेल डैम 91 फीसदी तक भर गया है। इसके चलते जल संसाधन विभाग ने डैम के सारे गेट खोल दिए हैं। इसके चलते महानदी के किनारे के गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। उधर राजनांदगांव में उफनता नाला पार नहीं कर पाने के कारण एक मरीज की मौत हो गई। उधर दक्षिण बस्तर में हो रही बारिश भी कहर बनने लगी है। नदी-नाले उफान पर आ गए हैं।

धमतरी में आज तड़के करीब 4 बजे से मूसलाधार बारिश जारी है। इसके चलते शहर के आमापारा वार्ड में कमर तक पानी भर गया है। लोग उस भरे हुए पानी में नाव चलाकर मस्ती कर रहे हैं। शहर की सड़कों पर 2 से 3 फीट पानी भरा हुआ है। दूसरी ओर नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। उधर नगरी क्षेत्र के कई गांवों का संपर्क मुख्यालय से टूट गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में जिले में डेढ़ इंच बारिश दर्ज की गई है।

गंगरेल डैम हुआ लबालब

लगातार बारिश के चलते गंगरेल डैम 91त्न भर गया है और इसके गेट खोलने की नौबत आ गई । प्रशासन ने डैम के गेट खोले जाने को लेकर सीमावर्ती गांवों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। जल भराव को देखते हुए रायपुर से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई। टीम ने डैम का निरीक्षण किया और उसके बाद बांध के सारे गेट खोल दिए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग यहां पर गेट खोले जाने का नजारा देखने के लिए मौजूद थे।

दक्षिण बस्तर में मूसलाधार बारिश

उधर कांकेर में भी रात से लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते कांकेर के साथ ही चरामा और केशकाल से लगातार पानी आने से महानदी का जल स्तर बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि डैम में 76 हजार क्यूसेक पानी आ रहा है। इसे देखते हुए रायपुर से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है। उनके आने के बाद बांध के गेट खोले जाएंगे। अभी के अनुमान के मुताबिक, 20 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा। ■■■

डैम को खोलने से इन जिलों में पड़ेगा असर

गंगरेल डेम से पानी छोड़े जाने का असर धमतरी के साथ ही रायपुर, गरियाबंद और बलौदाबाजार में भी पड़ेगा। ऐसे में प्रशासन ने महानदी के किनारे बसे गांवों को अलर्ट कर दिया है। ग्रामीणों से नदी किनारे और उसके आसपास जाने से रोका जा रहा है। वहीं जिले के स्क और अन्य पुलिस अफसरों को सूचित किया गया है। उनसे कहा गया है कि स्थानीय स्तर पर व्यवस्था करें। किसी भी तरह से जान या माल का नुकसान न हो पाए।

सड़क बहने से आवागमन हुआ प्रभावित

बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा बढ़ने लगा है। कांकेर-रायपुर नेशनल हाईवे पर चरामा के आगे मरकाटोला घाट में रविवार सुबह चट्?टान टूटकर गिरी है। इसके चलते मार्ग पर जाम लग गया। हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ है। सूचना मिलने पर चट्?टान को हटाकर रास्ता साफ कराया गया है। इससे पहले भी यहां पत्थर गिरते रहे हैं। इसके अलावा चारामा के कुर्रुभाठ मार्ग को जोड़ने वाली सड़क बह गई है। इससे कई गांवों का संपर्क कट गया है।

कई जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट

भरी बारिश के अनुमान के चलते मौसम विभाग ने कई जिलों में एलर्ट जारी किया है। दुर्ग और बस्तर संभाग के कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। कई स्थानों पर बिजली भी गिर सकती है। इनमें दुर्ग और बालोद जिलों के लिए यलो अलर्ट है, जबकि कबीरधाम और राजनांदगांव के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दूसरी ओर बस्तर में भी बारिश से अभी राहत मिलने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के लिए ऑरेंज अलर्ट है। वहीं कांकेर और नारायणपुर के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। ■■■

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)